सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 179 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 13 अप्रैल 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

प्रदेश के 10 जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी, आंधी के साथ बारिश की चेतावनी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच मौसम आंख-मिचौली खेल रहा है. एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है। आज भी प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी के साथ बारिश की आशंका है। भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार, प्रदेश के 10 जिलों में अगले तीन घंटे के भीतर तेज आंधी और बारिश हो सकती है। इसके मद्देनजर विभाग ने ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है।

बस्तर, दंतेवाड़ा, गरियाबंद, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों में अगले तीन घंटों के भीतर मध्यम गरज-चमक और बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है. यह अलर्ट आज 12 अप्रैल को दोपहर 3 बजे जारी किया गया है, जिसकी वैधता शाम 6 बजे तक है।

बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली, सूरजपुर और सरगुजा जिलों में भी हल्की गरज-चमक और बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चल सकती हैं। यह चेतावनी भी 12 अप्रैल को 3:30 बजे जारी हुई है और 6:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

तीन जिलों में बारिश का अलर्ट

प्रदेश के तीन के जिलों लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। धमतरी, गरियाबंद और कांकेर में आंधी-तफान के साथ बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक, पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 1.5 किलोमीटर तक विस्तारित है। एक पश्चिमी विक्षोभ 70 डिग्री पूर्व और 26 डिग्री उत्तर में स्थित है. वहीं पश्चिमी राजस्थान से तटीय तेलंगाना तक द्रोणिका 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक फैला हुआ है। वहीं उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश से बंगलादेश तक एक और द्रोणिका 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। अगले दो दिनों बाद गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है।

सोशल मीडिया पर वायरल भर्ती पत्र फर्जी, अम्बेडकर अस्पताल ने किया अलर्ट जारी

रायपुर। राजधानी स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे भर्ती और

नियुक्ति से जुड़े एक फर्जी पत्र को लेकर चेतावनी जारी की है. अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में स्टाफ नर्स एवं एएनएम की भर्ती से जुड़ी कोई भी वैध सूचना फिलहाल अस्पताल द्वारा जारी नहीं की गई है.

बता दें, अस्पताल प्रबंधन ने कहा है कि वायरल हो रही यह जानकारी पूरी तरह फर्जी और भ्रामक है, जिसे अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फैलाया जा रहा है. अस्पताल ने आम लोगों से अपील की है कि वे ऐसी फर्जी सूचनाओं के झांसे में न आएं और किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी के लिए केवल अस्पताल के आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय युवाओं के साथ 'जय भीम पदयात्रा' में हुए शामिल

'पंचतीर्थ' और संविधान दिवस से नई पीढ़ी बाबा साहब से ले रही है प्रेरणा: मुख्यमंत्री

प्रिएम्बल वाल पर हस्ताक्षर कर संविधान की मूल भावना के प्रति जताई प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है, जो हमें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। हमारा विशाल लोकतंत्र संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है और बाबा साहब इस ग्रंथ के शिल्पकार थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब से 'जय भीम पदयात्रा' का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री स्वयं इस पदयात्रा में युवाओं के साथ शामिल हुए और पदयात्रा के अंतिम पड़ाव में अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं के साथ संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संविधान की

मूल भावना के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रिएम्बल वाल पर अपने हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि 'जय भीम पदयात्रा' का आयोजन छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग और नेहरू युवा केंद्र संगठन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था।

युवाओं को किया गया सम्मानित

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समाज में विशिष्ट योगदान देने वाले युवाओं को मुख्य मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक खुशवंत साहेब, विधायक अनुज शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप सहित बड़ी संख्या में युवा, स्कूली बच्चे और आमजन उपस्थित थे।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

सीएम साय ने कहा कि बाबा साहब की दूरदर्शिता की वजह से आज भारत जैसा विशाल देश अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को लगातार समृद्ध कर रहा है, वहीं भारत के साथ आज़ाद हुए अन्य देश लोकतंत्र को साथ लेकर नहीं चल पाए। उन्होंने युवाओं से भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और उन्हें मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन हम सबके लिए प्रेरणादायी है। उनके अगुवाई में ही देश के संविधान का निर्माण किया गया। उनके आदर्शों एवं बताए गए रास्तों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

बाबा साहब की दूरदर्शिता को बताया लोकतंत्र की नींव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मध्यप्रदेश के मऊ में जन्म लेकर कठिन संघर्षों के बाद बाबा साहब ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को एक समावेशी और शक्तिशाली संविधान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंचतीर्थ' के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है, जिससे नई पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरणा ले सके। साथ ही संविधान दिवस की घोषणा कर देशवासियों को संविधान के प्रति समर्पण का संदेश दिया है।

नक्सलवाद से हुनर की ओर सरेंडर के बाद बदल रही जिंदगी

कभी बहाते थे खून... अब ले रहे कौशल विकास का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बस्तर संभाग में एक समय बंदूक थामे जंगलों में खून-खराबा करने वाले पूर्व नक्सली आज हुनरमंद बनकर नई जिंदगी जी रहे हैं। सरेंडर के बाद ये लोग आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में सरकार द्वारा संचालित विशेष प्रशिक्षण शिविरों में 90-90 लोगों के बैच में पूर्व नक्सलियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन शिविरों में प्रशिक्षण ले रहे लोग अपने अतीत पर पछतावा जताते हुए वर्तमान से संतुष्ट नजर आते हैं।

पूर्व पीएलजीए सदस्य सुकराम बताते हैं, मैं पहले दूसरे राज्य में मजदूरी करता था। नक्सलियों ने मेरे परिवार को परेशान किया, जिसके चलते मजबूरी और जोश में मैं संगठन में शामिल हो गया। खून-खराबा किया, लेकिन बाद में समझ आया कि यह गलत है। मैंने सरेंडर किया और अब राजमिस्त्री का प्रशिक्षण ले रहा हूं। सुकराम जैसे कई युवा परिवार की सुरक्षा और अन्य मजबूरियों के चलते नक्सलवाद में शामिल हुए थे, जो अब इन शिविरों में नई राह तलाश रहे हैं।

कौशल विकास और रोजगार पर जोर

सरकार इन पूर्व नक्सलियों को उनकी रुचि के अनुसार ट्रेड सिखा रही है, ताकि उन्हें भविष्य में आसानी से रोजगार मिल सके। आइटीआइ और लाइवलीहुड मिशन के तहत राजमिस्त्री, खेती-किसानी, पशुपालन, मछली पालन जैसे कौशल सिखाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ एक्सपोजर विजिट भी करवाई जा रही हैं, जहां ये लोग विभिन्न जिलों के संस्थानों में जाकर व्यवसायों को करीब से समझ रहे हैं।

पछतावे से नई शुरुआत तक

इन शिविरों में ऐसे पूर्व नक्सली भी शामिल हैं, जो कभी बम बनाने और हथियार चलाने जैसे कामों में लिप्त थे। अब वे खेती, पशुपालन और अन्य रोजगारपरक कौशल सीख रहे हैं। सरकार का उद्देश्य इन्हें जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है। प्रशिक्षण ले रहे पूर्व नक्सलियों का कहना है कि बंदूक छोड़ने के बाद उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है।

नक्सलवाद से हुनर की ओर

बस्तर, खासकर बीजापुर, एक समय नक्सलवाद का गढ़ माना जाता था। अब सरेंडर करने वाले नक्सलियों के लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है, ताकि वे बेरोजगारी के कारण दोबारा उसी दलदल में न लौटें। प्रशिक्षण शिविरों में 90 लोगों के बैच में पहले चरण का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। यहां सुबह पांच बजे योग से दिन की शुरुआत होती है, फिर दिनभर विभिन्न ट्रेड की ट्रेनिंग दी जाती है। साक्षर भारत कार्यक्रम के तहत पढ़ाई, टीवी देखने का समय और शाम को खेलकूद का आयोजन भी किया जाता है।

हथियार के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार देगी लाखों रूपए

- एलएमजी के बदले मिलेंगे 5 लाख और एके-47 पर 4 लाख रुपये
- बड़े हथियार डंप या विस्फोटक सामग्री की जानकारी देने पर एक लाख का ईनाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी नई नक्सलवादी आत्मसमर्पण नीति के तहत हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सुरक्षा के साथ-साथ उन्हें लाखों रूपए की प्रोत्साहन राशि भी देगी। आत्मसमर्पण करने वालों को शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार व्यवसाय से जोड़ा जाएगा। इस नई नीति के जरिए छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलवादियों को समाज की मुख्य धारा में लाकर उन्हें सम्मानजनक जिंदगी जीने का अवसर सुलभ करा रही है। नई नीति में आत्मसमर्पित नक्सलियों एवं उनके परिवार के प्रति उदार और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसे प्रावधान किए है, जिससे उनके जीवन को सुरक्षित और भविष्य बेहतर बनाया जा सके।

छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत-पुनर्वास नीति 2025 को लागू करना वास्तव में छत्तीसगढ़ सरकार की राज्य में शांति बहाली, विकास और सामाजिक समरसता की दिशा में

नई नीति के तहत हर हथियारों मुआवजा राशि का प्रावधान

नई नीति में हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार ने लाखों रूपए की मुआवजा राशि देने का प्रावधान किया है। एलएमजी के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली को 5 लाख रुपये मुआवजा के तौर मिलेगा। इसी तरह एके-47/त्रिची असॉल्ट रायफल पर 4 लाख रुपये, मोर्टार पर 2.50 लाख रुपये, एसएलआर/ इंसास रायफल पर 2 लाख रुपये, एक्स 95 असाल्ट रायफल/एमपी-9 टेक्टिल पर 1.50 लाख रूपए, थ्री नाट थ्री रायफल पर 1 लाख रूपए, एक्स-कैलिबर पर 75 हजार रूपए, और यूबीजीएल अटेचमेंट पर 40 हजार रूपए, 315/12 बोर बंदुक पर 30 हजार रूपए, ग्लॉक पिस्टल पर 30 हजार रूपए के साथ ही अन्य छोटे हथियारों जैसे कार्बाइन, रिवॉल्वर, वायरलेस, डेटोनेटर आदि पर भी मुआवजा राशि का प्रावधान है।

जिनके पास हथियार नहीं उन्हें भी मिलेगा प्रोत्साहन राशि

हर आत्मसमर्पणकर्ता नक्सली को, भले ही उसके पास हथियार हों या न हों, उसे 50 हजार रूपए की नगद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यदि कोई आत्मसमर्पित नक्सली, नक्सलियों द्वारा छिपाए गए आईईडी या विस्फोटकों की सूचना देकर उन्हें बरामद कराता है, तो उसे 15,000 से 25,000 तक की अतिरिक्त राशि दी जाएगी। बड़े हथियार डंप या विस्फोटक सामग्री की जानकारी देने पर एक लाख तक का इनाम मिलेगा। आत्मसमर्पणकर्ता यदि विवाह करने के इच्छुक हैं तो उसको एक लाख की विवाह अनुदान राशि भी दी जाएगी। यदि पति और पत्नी दोनों आत्मसमर्पित नक्सली हैं, तो उन्हें एक इकाई मानते हुए यह लाभ दिया जाएगा।

एक ऐतिहासिक पहल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि जो हथियार छोड़ेंगे, उन्हें भय नहीं, बल्कि सम्मान मिलेगा। वर्षों से जंगल-जंगल भटक रहे युवा, जो किसी भ्रम या दबाववश नक्सली संगठन में शामिल हो गए हैं, उनके लिए यह नीति एक नया जीवन शुरू करने का द्वार है। आत्मसमर्पण कर वे न केवल खुद का, बल्कि अपने परिवार और समाज का भविष्य भी सुरक्षित कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घोषित इनामी सूची में शामिल नक्सली के आत्मसमर्पण पर उन्हें पूरी इनामी राशि नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार की इस नीति के साथ-साथ भारत सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ भी आत्मसमर्पित नक्सलियों को मिलेगा। इस नीति में यह सुनिश्चित किया गया है कि उन्हें समाज में दोबारा स्थापित होने के लिए हरसंभव मदद मिले। आत्मसमर्पणकर्ता को सिर्फ प्रोत्साहन राशि, मुआवजा, ईनाम ही न मिले बल्कि उसे इसके साथ शिक्षा, पसंद के अनुसार रोजगार-व्यवसाय के लिए कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार और सामाजिक सम्मान भी मिले।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि हिंसा किसी समाधान का रास्ता नहीं है। हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल होने वाले नक्सलियों के सुरक्षित भविष्य और स्वरोजगार के लिए हमारी सरकार हरसंभव मदद देगी।

मुवक्किलों को उकसाने से बाज आएं वकील

श्रीकंचनपथ

वकालत का पेशा है ही ऐसा। आरोपित को ज्यादा से ज्यादा परेशान करने अथवा लंबी से लंबी सजा दिलाने के लिए वकील अपने मुवक्किलों को तरह-तरह की सलाह देते हैं। इन सलाहों के चलते कई बार विवाद बढ़ भी जाता है। कई बार तो केस का स्वरूप ही पूरा का पूरा बदल जाता है और जब तक मामला खत्म होता है उभय पक्ष खुद उलझन में पड़ जाते हैं कि यह केस आखिर है किसका। कई बार घटनाओं को सिलसिलेवार बनाने और कहानी को विश्वसनीय बनाने के लिए उसमें जोड़-घटाव भी किया जाता है। कुल मिलाकर उद्देश्य यही होता है कि यदि वकील प्रार्थी का है तो उसे न्याय मिले और आरोपित को ज्यादा से ज्यादा सजा सुनाई जाए। यदि वकील आरोपित की पैरवी कर रहा है तो वह आरोपों को झुठलाने अपने मुवक्किल को सुरक्षित रखने के लिए पूरी ताकत लगा देता है। यही इस पेशे की मांग भी है इसलिए इसे अब तक किसी ने गलत नहीं कहा। पर वकालत केवल न्याय दिलाने की लड़ाई नहीं है। यह वकीलों की आजीविका भी है। इसलिए कभी कभी वकील केस को लंबा खींचने के लिए उसमें पेंच डालते चले जाते हैं। अब न्याय का सिद्धांत बदल रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने ऐसे वकीलों को एक मशविरा दिया है। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच ने कहा कि शादी से जुड़े विवादों में अक्सर वकील अपने मुवक्किलों को उकसाने का प्रयास करते हैं। कोर्ट ने कहा कि वकीलों को अपने मुवक्किलों को वैवाहिक विवाद सुलझाने की सलाह देनी चाहिए, न कि उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप करने और इसे 'हवा' देने का मशविरा देना चाहिए। हाईकोर्ट बेंच ने कहा कि वैवाहिक विवादों में वादियों-प्रतिवादियों को भावनात्मक आघात का सामना करना पड़ता है, उनके निजी जीवन में ठहराव सा आ जाता है। कोर्ट वादियों-प्रतिवादियों की 'हताशा और निराशा' से भी अवगत है। हाईकोर्ट ने कहा, वकीलों की न केवल अपने मुवक्किल के प्रति बल्कि अदालत और समाज के प्रति भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। जहां तक न्याय का प्रश्न है तो वकील ही नहीं, पुलिस भी इस तरह की हरकतें करती है। प्रार्थी और आरोपी के प्रति उसका व्यवहार अकसर जान पहचान, रसूख या अन्य कारणों से तय होता है। किसी मामले को वह बेहद मामूली बना देते हैं तो किसी किसी मामले में इतनी धाराएं लगा देते हैं कि उसे अदालत में साबित करना तक कठिन हो जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस को अदालत में फटकार भी मिलती है पर लाभ के मुकाबले यह फटकार काफी हल्की होती है। दरअसल, कानूनों की तंग गलियों में सबसे ज्यादा नुकसान न्याय के सिद्धांत का हुआ है। दोष मढ़ने और साबित करने के बीच का फासला इतना लंबा होता है कि बाइज्जत बरी होने का फैसला आते तक कई बार आरोपी अपना पूरा जीवन जेल में बिता चुका होता है या फिर वहीं दम तोड़ चुका होता है।

संपादकीय

पारदर्शिता सुनिश्चित करने बड़ा कदम

जज के निवास पर भारी मात्रा में नोटों के मिलने के विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों के बारे में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब पदभार ग्रहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपनी संपत्ति सार्वजनिक रूप से घोषित करने पर न्यायाधीशों ने सहमति जताई है। जजों की पूर्ण बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। यह खुलासा पूर्णतया स्वैच्छिक होगा। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सहित सर्वोच्च न्यायालय के तैंतीस जजों में से तीस जजों ने अपनी संपत्ति की घोषणा की। पूर्ण पीठ द्वारा संकल्प लिया गया कि जब भी कोई महत्त्वपूर्ण अधिग्रहण किया जाए तो इसकी घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी चाहिए। हालांकि यह विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर मिली नगदी के बाद यह बड़ा निर्णय लिया गया है। न्यायपालिका में पारदर्शिता और लोगों का विश्वास बनाए रखने की लिहाज से यह कदम दूरगामी साबित हो सकता है।

यह प्रस्ताव सभी भावी जजों पर लागू होगा। हाई कोटरे को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। 1977 में भी इसी तरह के प्रस्ताव रखे जाने के बावजूद इन पर अमल नहीं लाया जा सकता था। चूंकि बीते दिनों उठे विवादों को लेकर काफी चिंता व्यक्त की जा रही है, इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि इस घोषणा की उपेक्षा नहीं की जाएगी। यूं तो राजनेताओं के पास मिलने वाली आय से अधिक संपत्ति के बाद संपत्ति की घोषणा भले ही की जा रही है मगर उसे जनता द्वारा संदेह की नजर से ही देखा जाता है। दूसरे, उन्होंने यह संपत्ति कहां से और कैसे अर्जित की, यह सवाल खड़ा ही रहता है। जीवन साथी या परिवार के अन्य सदस्यों के नाम जमा राशि या जमीन-जायदाद के मामले किसी से छिपे नहीं हैं। भ्रष्टाचार व काले धन को लेकर मोदी सरकार सत्ता में आने से पहले जितनी मुखर थी, अब उतनी मौन ओढ़े है। बहरहाल, सबसे बड़ी अदालत ने अनाप-शनाप काला धन कबाड़ने वालों को बड़ा संकेत दिया है। इस मसले में सरकार से नाउम्मीद हो चुकी जनता का अदालत पर भरोसा तो बढ़ेगा ही, साथ ही नई उम्मीद भी जाग सकती है।

> “ भ्रष्टाचार व काले धन को लेकर मोदी सरकार सत्ता में आने से पहले जितनी मुखर थी, अब उतनी मौन ओढ़े है। बहरहाल, सबसे बड़ी अदालत ने अनाप-शनाप काला धन कबाड़ने वालों को बड़ा संकेत दिया है। इस मसले में सरकार से नाउम्मीद हो चुकी जनता का अदालत पर भरोसा तो बढ़ेगा ही, साथ ही नई उम्मीद भी जाग सकती है।

यह भी दिलचस्प है कि बड़े और मलाईदार पदों पर बैठे एससी/एसटी के लोग उच्च और महंगे शिक्षा संस्थानों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलवा कर उसी आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं, जिसका मकसद आदिवासियों और दलितों की भलाई और तरक्की था, लेकिन इसने गिने-चुने लोगों को फायदा पहुंचाया है। इसकी वजह से जाति-व्यवस्था के समर्थक जातीय बंटवारे को बनाए रखने में सफल रहे हैं, जो आदिवासी और दलित हितों के लिए नुकसानदेह है। एससी/एसटी पर क्रीमी लेयर के विरोध में कथित रौबदार दलित आदिवासियों ने आवाज बुलंद की तो आम गरीब आदिवासी सडक्कों पर उमड़ पड़े जबकि कथित अभिजात्य हो चुकी उनकी संतान सड़कों की बजाय उस समय महंगे कोचिंग संस्थानों में पढ़ रही होगी।

आरक्षण भोगी अभिजात्य वर्ग और अंबडेकर

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

अंबेडकर भारत के संभवत: सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे और विशिष्ट अकादमिक डिग्री हासिल करने वाले शख्सियत थे। भारत के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी बन सकते थे, लेकिन यदि उन्हें यह पेशकश की गई होती तो वे इसे शायद ही स्वीकार करते। इस बात की पूरी संभावना है कि इससे वे यह कह कर इंकार कर देते कि उनकी जगह किसी वंचित वर्ग के व्यक्ति को यह पद दिया जाए तो ज्यादा लाभदायक होगा। डॉ. अंबेडकर की सामाजिक न्याय की स्थापना के आग्रह के प्रति गहरा सम्मान दिखाते हुए ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश बी.आर.गवई ने कहा, 'मैं डॉ. अंबेडकर के कारण सुप्रीम कोर्ट का जज हूं। डॉ. अंबेडकर के कारण है कि मेरे जैसा व्यक्ति जो एक झुग्गी-झोपड़ी इलाके में एक नगर पालिका स्कूल में पढ़ता था इस पद तक पहुंच सका।' न्यायाधीश गवई भी दलित समुदाय से ही हैं। वे अगले महीने यानी मई 2025 में भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और दलित समुदाय से इस पद तक पहुंचने वाले दूसरे न्यायाधीश होंगे।

दरअसल, आरक्षण को लेकर डॉ. अंबेडकर की स्पष्ट सोच थी कि यह वंचित वर्ग के लिए सामाजिक और आतथक समानता प्राप्त करने का एक संविधानिक अधिकार है। जस्टिस गवई ने कहा कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लोगों को अंबेडकर की वजह से पहचान मिली। आजादी के आठवें दशक में प्रवेश कर चुके भारत में आज भी हाशिए पर पड़ा समाज अपनी मूलभूत जरूरतों और दो जून की रोटी के लिए संघर्षरत है। उनकी संख्या में कोई कमी नहीं आई है, और वह बढ़ कर करोड़ों में चली गई है। इसके बाद भी कि एससी, एसटी और पिछड़ा वर्ग का आरक्षण राजनीति से सरकारी नौकरी तक देश में लागू हैग और अब यह सामान्य गरीब वर्ग तक भी पहुंच गया है। भारतीय संविधान में आरक्षण की जो व्यवस्था की गई थी, उसका उद्देश्य केवल कमजोर और दबे-कुचले लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना था। डॉ. अंबेडकर का उद्देश्य एक समान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना था और आरक्षण का प्रयोग तब तक किया जाना चाहिए जब तक समाज में वास्तविक समानता नहीं आ जाती। आरक्षण को एक स्थायी व्यवस्था न मानते हुए डॉ. अंबेडकर ने इसे एक अस्थायी उपाय के रूप में देखा था। उनके लिए यह आरक्षण और उससे होने वाले विकास के द्वार किसी परिवार तक सीमित नहीं थेग यह समूचे समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाले थेग लेकिन डॉ. अंबेडकर के उद्देश्य के इतर एससी/एसटी का आरक्षण तब विवादों में घिर गया जब राजस्थान में भील बनाम मीणा और बिहार में दलित बनाम महादलित का नारा बुलंद हुआ। दलित अनुसूचित जातियों की आबादी की बात की जाए तो ये भारत की कुल आबादी का साढ़े सोलह फीसद हैं।

भारत में आदिवासियों की आबादी तकरीबन ग्यारह करोड़ है। यह देश की कुल आबादी का साढ़े आठ फीसद है। आदिवासियों को भारत के संविधान में अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है। बीसवीं सदी की शुरु आत में दलित और आदिवासियों की सामाजिकग शैक्षिक और आतथक स्थिति एक जैसी ही थी। गिने-चुने लोग ही थेग जो गिरी हुई हालत से ऊपर उठ सके थे। 21वीं सदी में यह स्थिति बदली है। आरक्षण से आदिवासियों और दलितों के एक तबके को फायदा हुआ है, और अस्तित्व के लिए उनकी लड़ाई आसान हुई है। आदिवासियों और दलितों के एक तबके ने काफी तरक्की कर ली है, लेकिन अभी भी ज्यादातर लोग उसी हालत में हैं, जिस स्थिति में वो आज से एक सदी पहले थे। जिस तरह से आरक्षण की नीति बनाई गई है, ये उन्हीं लोगों को फायदा पहुंचाती आ रही हैग जो इसका लाभ लेकर आगे बढ़ चुके हैं। नतीजा यह है कि दलितों और आदिवासियों में भी एक छोटा तबका ऐसा तैयार हो गया है, जो अमीर हैग और जिसे व्यवस्था का लगातार फायदा हो रहा है। कानून बनाना विधायिका का काम है, और सुप्रीम कोर्ट इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस बात पर सहमत है कि एससी, एसटी आरक्षण में बदलाव होना चाहिए और इसमें क्रीमी लेयर का प्रावधान होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त, 2024 को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के आरक्षण बारे में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा था कि सरकार इन समुदायों के आरक्षण सीमा के भीतर अलग से वर्गीकरण कर सकती है। क्रीमी लेयर से मतलब उस वर्ग से है, जो आतथक और सामाजिक रूप से प्रगति कर चुका है। इस श्रेणी में आने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के एससी/एसटी आरक्षण में कोटा लागू करने की इजाजत देने के खिलाफ दलित आदिवासी संगठनों ने भारत बंद बुलाया था। इस दौरान नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गनाइजेशन ने इसे दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफबताया था। 2018 में भी ऐसा ही फैसला देते हुए अदालत ने कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण में भी क्रीमी लेयर का नियम लागू होगा। जस्टिस नरीमन ने कहा था 'आरक्षण की व्यवस्था का मकसद नागरिकों के बीच पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाना है, जिससे कि वे भारत के अन्य नागरिकों की तरह समानता के आधार पर हाथ से हाथ मिला कर चल सकें।'

यह भी दिलचस्प है कि बड़े और मलाईदार पदों पर बैठे एससी/एसटी के लोग उच्च और महंगे शिक्षा संस्थानों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलवा कर उसी आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं, जिसका मकसद आदिवासियों और दलितों की भलाई और उनकी तरक्की था, लेकिन इसने गिने-चुने लोगों को फायदा पहुंचाया है। इसकी वजह से जाति-व्यवस्था के समर्थक इस जातीय बंटवारे को बनाए रखने में कामयाब रहे हैं, जो आदिवासी और दलित हितों के लिए नुकसानदेह है। एससी, एसटी पर क्रीमी लेयर के विरोध में कथित रौबदार दलित आदिवासियों ने आवाज बुलंद की तो आम गरीब आदिवासी सडक्कों पर उमड़ पड़े जबकि कथित अभिजात्य हो चुकी उनकी संतान सड़कों की बजाय उस समय महंगे कोचिंग संस्थानों में पढ़ रही होगी। डॉ. अंबेडकर ने कल्पना की थी कि आरक्षण की मदद से आगे बढ़ने वाले दलित और आदिवासी अपनी बिरादरी के दूसरे लोगों को भी समाज के दबे-कुचले वर्ग से बाहर लाने में मदद करेंगे। मगर, हुआ यह है कि तरक्की याफ्ता आदिवासियों और दलितों का यह तबका, सामाजिक तौर पर खुद को ऊंचे दर्जे का समझने लगा है।

आदिवासियों और दलितों की यह क्रीमी लेयर बाकी दलित आदिवासी आबादी से दूर हो गई है। डॉ. अंबेडकर ने एक ऐसे फॉर्मूले की आवश्यकता पर बल दिया था, जो अवसर की समानता को उन समुदायों के लिए आरक्षण प्रदान करने के साथ संतुलित कर सके, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से प्रशासन से बाहर रखा गया था। अभी भी दलित आदिवासियों का बड़ा तबका आरक्षण के फायदों से दूर हैग और उन्हें इसका फायदा तब ही मिल पाएगा जब वे आरक्षणभोगी अभिजात्य वर्ग को चुनौती देने का साहस करेंगे। डॉ. अंबेडकर को भी इस अभिजात्य वर्ग की कल्पना रही होगी। इसीलिए उन्होंने अपने जीवनकाल में ही एक सम्मेलन में आरक्षण समाप्त करने की बात कह दी थी।

वक्फ संशोधन के विरूद्ध याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू

अवधेश कुमार

वक्फ संशोधन के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। इस संशोधन के दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरु द्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है।

हमारे सामने दो दृश्य भी हैं। लोक सभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने व्हिप जारी कर दिया था। राज्य सभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि सांसद स्वतंत्र हैं, व्हिप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की संख्या से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में आए। इसके कोई निहितार्थ हैं या नहीं? दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध, दोनों में मुसलमान उतरे। उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुल कर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख भी शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे।

ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदमों के विरु द्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और ट्रिब्यूनल या न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वितों तथा आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है। वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान कानून को नहीं मानेगा तब गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। संसद द्वारा विहित प्रक्रिया के तहत पारित कानून भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोक सभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र का गला घोंटने के समान बता दिया।

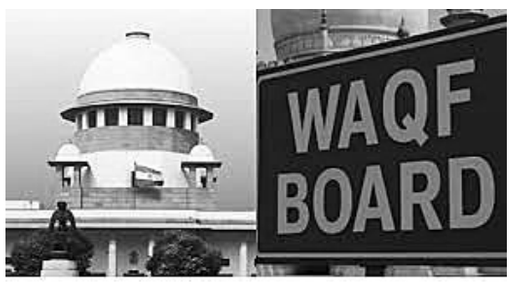

लोक सभा में अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा किया, कब्जे में लिया उसकी अनेक कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और फैसले को सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिन्दू और मुसलमान, दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं। गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है? यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोडरे को दी। हमारी, आपकी या किसी मंदिर की जमीन के कागजात, राजस्व आदि का विषय जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो तो कैसे इसे कानून का पालन माना जाएगा? वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए वक्फ हुई, उसका उपयोग उसके अनुरूप हो रहा है या नहीं तथा वक्फकर्ता ने? स्वेच्छा से ऐसा किया या दबाव डाल कर कराया गया इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी प्रशासन की है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए उसे कायम नहीं रखा जा सकता था।

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरु षों के एकाधिकार और निरंकुश ढांचे को ध्वस्त कर वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक चरित्र में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना, जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से डरती रही हों, निस्संदेश साहसिक, ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा अनाथों का अधिकार है। वक्फ बोर्ड में आपको सामान्य मुस्लिम परिवार के सदस्य शायद ही मिलेंगे। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा, महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के उचित उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब पारदर्शी होगा।

साइबर युग में फंसती जा रही आने वाली पीढ़ी

– नृपेंद्र अभिषेक नृप

आज के समय में डिजिटल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुका है। बच्चों और किशोरों के लिए इंटरनेट केवल एक मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह उनके मानसिक विकास, सामाजिक पहचान और मूल्यों को आकार देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह डिजिटल युग हमारे बच्चों के लिए सुरक्षित है?

क्या सोशल मीडिया कंपनियां मुनाफे की दौड़ में बच्चों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रही हैं? हाल के वर्षों में कई घटनाओं और शोध ने इस चिंता को और प्रबल कर दिया है कि किस प्रकार सोशल मीडिया के प्रभाव से किशोरों की मानसिकता और उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।

फिक्की-ईवाई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में डिजिटल मीडिया ने टेलीविजन को पछाड़कर मनोरंजन उद्योग में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाला माध्यम बन गया है। भारत में 40 फीसद से अधिक मोबाइल फोन उपयोग का समय सोशल मीडिया पर बिताया जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि इंटरनेट अब न केवल संचार का साधन है, बल्कि यह बच्चों की दुनिया का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। किशोरों के लिए सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन गया है जहां वे अपनी पहचान बनाते हैं, दोस्त बनाते हैं और खुद को अभिव्यक्त करते हैं, लेकिन इस जुड़ाव के गंभीर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

नेटिफ्लक्स की चार-भागों वाली डॉक्यूमेंट्री 'किशोरावस्था' ने इस मुद्दे को और गहराई से उजागर किया है। इसमें एक 13 वर्षीय लड़के द्वारा अपनी सहपाठी की हत्या की घटना को दिखाया गया है। यह एक चरम मामला हो सकता है, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन प्रभाव किस हद तक किशोर मन को प्रभावित कर सकता है। इंटरनेट पर मौजूद 'टॉक्सिक मैस्कुलिनिटी', घृणास्पद विचारधाराएं, और चरमपंथी विचारधाराएं किशोरों के मन में गहरी पैठ बना सकती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं की रुचि के अनुसार कंटेंट प्रदर्शित करता है। इस एल्गोरिदम का उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को प्लेटफार्म पर बनाए रखना है, भले ही इसके परिणाम किशोरों की मानसिकता पर नकारात्मक हों।

एक बार अगर कोई किशोर किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखने लगता है, तो एल्गोरिदम उसे लगातार उसी तरह की सामग्री दिखाने लगता है। यह प्रक्रिया किशोरों को 'रेबिट होल' में धकेल सकती है, जहां वे खुद को एक अंधकारमय और हानिकारक डिजिटल दुनिया में फंसा पाते हैं। जब भी किशोरों के गलत कार्य की बात होती है, तो स्वाभाविक रूप से माता-पिता पर जिम्मेदारी आती है, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि क्या माता-पिता अकेले ही इस समस्या को हल कर सकते हैं?

ऑनलाइन प्लेटफार्म्स पर बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखना आज के दौर में अत्यंत कठिन हो गया है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता से छुपाकर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और कई बार वे अपने वास्तविक उम्र से बड़ी उम्र का प्रमाण देकर प्रतिबंधों को पार कर लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव लाया गया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे नियम व्यावहारिक रूप से प्रभावी नहीं हो सकते, क्योंकि किशोर अक्सर तकनीकी उपायों से इन प्रतिबंधों को दरकिनार कर सकते हैं। यह समस्या केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर नीति-निर्माण और सामाजिक चेतना का भी विषय है। फेसबुक की पूर्व कर्मचारी फ्रांसेस हॉगन ने 2021 में इस बात का खुलासा किया था कि कंपनी के आंतरिक अध्ययन से यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर मौजूद चरमपंथी विचारधाराएं, आत्मघाती प्रवृत्तियां, और अवसादग्रस्त करने वाली सामग्री किशोरों के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने अपने मुनाफे को प्राथमिकता दी और इन खतरों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।

इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि इन प्लेटफार्मोंकी जवाबदेही तय की जाए। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यापक सामाजिक और सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। सबसे पहले, कानूनी नियमन के तहत सरकारों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे, ताकि वे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। उदाहरण के लिए, आयु सत्यापन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है, जिससे नाबालिगों को अनुचित सामग्री से बचाया जा सके और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सके। इसके साथ ही, शिक्षा और जागरूकता भी इस समस्या के समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मुद्रा योजना विकसित भारत तक ले जाने वाला सोपान

अखिलेश झा

विकसित भारत के लक्ष्य में जितनी बड़ी भूमिका बड़े उद्यमों की है, उतनी ही महत्त्वपूर्ण भूमिका छोटे एवं मंझोले उद्यमों की भी। समावेशी विकास, गांवों-कस्बों में खेती से इतर रोजगार के अवसर के सृजन, किसानों के लिए मूल्य-संवर्धित सेवाओं के विकल्प और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की अपेक्षित भागीदारी के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अपेक्षित पहल थी छोटे-मंझोले उद्यमों के लिए सुलभ वित्तपोषण की। इस अपेक्षा को यथार्थ में बदला प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने, जो अपनी सफलता का आज पहला दशक पूरा कर रही है।

2015 में शुरू हुई 'प्रधानमंत्री मुद्रा योजना' के तहत अबतक 52 करोड़ से अधिक ऋण दिए गए हैं। इस योजना ने भारतीय अर्थव्यवस्था को दस करोड़ से भी अधिक नये कारोबारी दिए हैं, जो प्रतिशत में 20 से भी अधिक हैं कुल ऋणालाभुकों के। इन नये कारोबारियों को दिया गया कुल ऋण दस लाख करोड़ से भी अधिक का है। ये आंकड़े न सिर्फ भारतीय उद्यम के बदलते चेहरे को दर्शाते हैं, बल्कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली की प्रगतिशील सोच एवं पहुंच को भी दिखाती है।

इस योजना के तहत पचास हजार रु पये के ऋण से लेकर बीस लाख रु पये तक के ऋण न सिर्फ भारतीय बाजार में नये उद्यमों और नये उद्यमियों के लिए जगह बना रहा है, बल्कि रोजगार के लिए भी करोड़ों अवसर पैदा कर रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के एक अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2015 से 2018 के बीच तीन वर्षों में लगभग 1.12 करोड़ नये अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित हुए थे।

इस दौरान लगभग 5.55 लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए थे इस योजना के तहत। यदि इस सह-संबंध को अबतक दिए गए 32.40 लाख करोड़ के ऋण के अनुसार देखा जाए, तो पिछले एक दशक में लगभग 7 करोड़ अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित हुए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की वजह से। मुद्रा योजना ने न सिर्फ उद्यम का स्वरूप बदला है, उद्यमियों के भी प्रोफाइल में गुणात्मक परिवर्तन किए हैं।

इस योजना के तहत लगभग 35 करोड़ महिलाओं के खाते में ऋण दिए गए हैं। इस तरह मुद्रा योजना के तहत लाभार्थी उद्यमियों में महिलाओं का प्रतिशत दो तिहाई से भी अधिक है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारतीय समाज-व्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को भी इंगित करता है।

सामाजिक वर्ग के हिसाब से देखा जाए, तो इस योजना के तहत 8.5 करोड़ ऋण के खाते अनुसूचित जनजातियों के थे, लगभग 3 करोड़ अनुसूचित जनजातियों के और 14 करोड़ से भी अधिक खाते अन्य पिछले वर्ग के उद्यमियों के थे।

इस योजना के तहत 5.6 करोड़ उद्यमी अल्पसंख्यक थे, जिन्हें लगभग 3 लाख करोड़ रु पये का ऋण बैंकों द्वारा दिया गया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की सफलता एवं लोकप्रियता की वजह समझनी हो, तो एक आंकड़ा इसे सबसे बेहतर स्पष्ट कर देता है। इस योजना के तहत 52 करोड़ बैंक खातों के लिए 33.19 लाख करोड़ रुपये के ऋण विभिन्न बैंकों द्वारा स्वीकृत किए गए 2015 से अभी तक। उस 33.19 लाख करोड़ रु पये की ऋण-स्वीकृति में से 32.40 लाख करोड़ रु पये के ऋण जारी किए जा चुके हैं। जाहिर है, इस योजना की निगरानी सभी स्तरों पर प्रभावी रूप में हो रही है।

इस मुद्रा योजना ने भारतीय बाजार के स्वरूप को भी बड़े सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। इसे एक आंकड़े से समझा जा सकता है। इस योजना के 'शिशु' श्रेणी में, जिसमें अधिकतम ऋण 500 रु पये का दिया जाता है, उसमें 2015-16 में ऋण का औसत आकार मात्र 19411 रु पये था, जो बीते साल में लगभग दुगुना हो गया-37400 रुपये। इस मुद्रा योजना के तहत 'शिशु' श्रेणी में ही तीन चौथाई से अधिक ऋण दिए गए हैं। इससे साफ स्पष्ट होता है कि बैंकों ने नये-नये उद्यमियों का स्वागत उद्यम-जगत में किया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने भारतीय भूभाग के पूरे फैलाव को बड़े रोचक तरह से प्रभावित किया है। एक तरफ इसने पिछड़े राज्यों में नये उद्यमियों की पौध खड़ी की है, तो वहीं विकसित राज्यों में भी उद्यमियों का नये तरीके से वित्तपोषण किया है।

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS - 916
100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना
नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन 25 अप्रैल तक आमंत्रित

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग शहरी के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आवेदन 25 अप्रैल तक बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग(शहरी) में कार्यालयीन समय में सीधे अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केन्द्र नयापारा केन्द्र क्रमांक 03, वार्ड क्रमांक 02 राजीव नगर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना से मिली जानकारी अनुसार आवेदन किये जाने हेतु शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक गाईडलाईन के तहत आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आयु की गणना आवेदन आमंत्रित करने की सूचना जारी होने की तिथि से की जाएगी। सेवा की अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष होगी। (एक वर्ष या अधिक सेवा का अनुभव रखने वाली कार्यकर्ता/सहायिका/सह-सहायिका/संगठिका को आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाएगी)। आवेदिका उसी वार्ड की स्थायी निवासी होनी चाहिए जिस वार्ड में आंगनबाड़ी केन्द्र स्थित है। निवासी होने के प्रमाण में नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की अद्यतन मतदाता सूची में नाम दर्ज हो तो आवेदन पत्र में उसके क्रमांक का उल्लेख कर प्रतिलिपि लगाना होगा अथवा वार्ड पार्षद अथवा पटवारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें वार्ड में निवासरत् रहने का पता सहित स्पष्ट उल्लेख हो, मान्य किया जाएगा।

दुर्ग जिले में पी. एम. आशा योजनांतर्गत सरसों चना एवं मसूर फसलों का उपार्जन हुआ प्रारंभ

दुर्ग। जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान योजना (पीएम आशा योजना) के तहत् रबी विपणन वर्ष 2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों फसल का प्राईस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) योजनांतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। इसी क्रम में 11 अप्रैल 2025 को उपार्जन केन्द्र चंदखुरी में ई-समृद्धि पोर्टल से दुर्ग एवं पाटन विकासखंड के 175 किसानों का 250 क्विंटल मात्रा में सरसों एवं 4 क्विंटल चना का उपार्जन किया गया। श्री निलमणी, हिमांचल प्रसाद चंद्राकर, पतिराम, पवन चंद्राकर, विनोद कुमार देवांगन, विरेन्द्र कुमार सिंह, मुनिट देवांगन आदि उपस्थित कृषकों के द्वारा सरसों एवं चना फसलों का उपार्जन प्रति एकड़ 5 क्विंटल सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रूपए एवं चना प्रति एकड़ 6 क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य 5650 रूपए की दर से उपार्जन होने से कृषकों में खुशी का माहौल है। चंद्रखुरी व भण्डारण केन्द्र के रूप में सीजीएसडब्लयूसी दुर्ग अधिसूचित किये गये है।

खुर्सीपार में चला बुलडोजर, गौतम नगर के 53 अवैध कब्जे हुए धवस्त

सीवरेज लाइन के ऊपर कब्जा कर लोगों ने बना लिया था आशियाना, नोटिस की अनदेखी के बाद निगम ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर निगम के खुर्सीपार जोन अंतर्गत वार्ड 42 गौतम नगर में आज अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सुबह सुबह पहुंची नगर निगम की टीम ने यहां पहले से चिन्हित 53 अवैध कब्जे को जेसीबी वाहन चलाकर ध्वस्त करना शुरू कर दिया। लोगों ने यहां सीवरेज लाइन के ऊपर कब्जा कर अपना आशियाना बना लिया था। लोगों को अपना अवैध कब्जा हटाने लगभग 10 से भी ज्यादा नोटिस दी जा चुकी थी। नोटिस की बारंबार अनदेखी के चलते निगम की टीम ने आज सख्ती दिखाते हुए तोडफ़ोड़ की कार्रवाई शुरू कर दिया।

रविवार सुबह से निगम की टीम गौतम नगर के मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने 53 घरों को तोडने पहुंची है।

इससे प्रभावित इलाके के रहवासियों में अफ़रा-तफ़री मची गई। निगम के अधिकारियों ने पहले ही गौतम नगर में बुलडोजर चलाने की योजना तय कर ली थी। योजना के तहत उन्होंने तहसीलदार और पुलिस प्रशासन को भी बुला लिया था। पूरी टीम सुबह 8 बजे गौतम नगर पहुंच गई थी। मकान तोडने के दौरान लोग सड़क पर उतरे, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने विरोध करने नहीं दिया।

खुर्सीपार वार्ड 42 के पार्षद विनोद सिंह ने बताया कि वहां नाले और मेन सीवरेज लाइन के ऊपर 250 से ज्यादा घर अतिक्रमण करके बना लिए गए हैं। निगम ने उन लोगों को 10 से ज्यादा बार नोटिस दिया है। इसके बाद भी लोग अतिक्रमण खाली नहीं कर रहे थे। इसके बाद कार्रवाई की गई है।

जानकारी के मुताबिक निगम की टीम मेन सीवरेज लाइन को क्लियर करने के लिए इसके दोनों तरफ 5-5 फीट एरिया में हुए अतिक्रमण को तोडने की योजना बना चुका है। अतिक्रमण हटाने के बाद इस नाले और सीवरेज लाइन को बनाया जाएगा। पार्षद विनोद सिंह का कहना है कि मेन सीवरेज लाइन एक बार बन गई तो खुर्सीपार की सीवरेज की समस्या आने वाले 50 सालों के लिए खत्म हो जाएगी। गौरतलब रहे कि सीवरेज लाइन और नाले में अतिक्रमण होने से सबसे अधिक समस्या बारिश में होती है। यहां पानी का सही बहाव न होने से पानी लोगों के घरों के अंदर तक घुस जाता है। यहां की सड़कें पानी में डूब जाती हैं।

इससे लोगों को काफी परेशानी होती है। वहीं नाले का पानी पेय जलापूर्ति वाले पाइप लाइन में प्रवेश करने से आए दिन पीलिया और डायरिया जैसी संक्रामक बीमारी गौतम नगर इलाके में फैल जाती है।

तोड़े जाने हैं दो सौ के लगभग मकान: नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने का काम खुर्सीपार जोन 1 से शुरू किया है। यहां करीब 53 मकान आज तोडने का लक्ष्य रखा गया। इसके बाद जोन 2 में करीब 80 घर और जोन तीन में 70-80 घर मिलाकर कुल 200 से ज्यादा अवैध कब्जा वाले मकानों को तोड़ा जाएगा। ये सभी मकान मेन सीवरेज लाइन के ऊपर बने हुए हैं। अतिक्रमण हटाने के बाद सीवरेज लाइन का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर विधायक देवेंद्र सेक्टर 9 हनुमान मंदिर में की पूजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव शनिवार को सुबह 4 बजे सेक्टर 9 हनुमान मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले हनुमान जी की विधि विधान के साथ पूजा आरती की। उसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया और श्रीफल श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए विधायक श्री यादव ने पूरे भिलाई वासियों के हित और विकास,सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की हाथ जोड़कर प्रार्थना की।

हनुमानजी के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर में हजारों भक्तों की भीड़ लगी रही । आज विभिन्न वार्डो में आयोजित कार्यक्रम में पूजा आरती में शामिल हुए. अन्य भक्तों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद मंदिर परिसर में आयोजित भंडारे कार्यक्रम में शामिल हुए। जहाँ उन्होंने महाप्रसाद वितरण किए। मंदिर में हनुमान जी के दर्शन के लिए आए भक्तों को विधायक देवेंद्र यादव ने अपने हाथों से महा प्रसादी का वितरण किया। साथ ही खुद ही महा प्रसादी ग्रहण की।

प्रात: 4:00 बजे पूजा के पश्चात सेक्टर 9 मुख्य गेट में जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किए गए विशाल भंडारे में विधायक देवेंद्र यादव शामिल हुए एवं महाप्रसाद का वितरण किया। भक्तों की सेवा के साथ विधायक देवेन्द्र यादव सभी को हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव हर साल की तरह इस साल भी कैंप, रिसाली, खुर्सीपार सहित टाउनशिप के विभिन्न मंदिरों में पहुंचे। जहां उन्होंने हनुमान जी की पूजा अर्चना में शामिल हुए।

केंद्रीय विद्यालय चरोदा में हुई अंबेडकर की जीवनी पर इंटर स्कूल परिचर्चा, 10 स्कूलों के छात्र हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मजदूर कांग्रेस और बीएमवाय केंद्रीय विद्यालय के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के अवसर पर बीएमवाय केंद्रीय विद्यायल में शनिवार को बाबा साहेब के जीवन चरित्र पर इंटर स्कूल परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में जिले के 10 स्कूलों से करीब 50 से 60 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षों, और समाज के प्रति उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। परिचर्चा में प्रतिभागियों ने डॉ. अंबेडकर के बचपन की कठिनाइयों, उनकी शिक्षा यात्रा, भारतीय संविधान निर्माण में उनकी भूमिका और दलितों व वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। कुछ छात्रों ने अंबेडकर के विचारों को आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक बताया।

कार्यक्रम में मौजूद बीएसपी शिक्षा विभाग के डॉ शीतल चंद्र शर्मा ने अपने भाषण में डॉ. अंबेडकर को सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक बताते हुए युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। मजदूर कांग्रेस के मंडल समन्वयक डी विजय कुमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से न केवल डॉ. अंबेडकर के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचने में मदद मिल रही है बल्कि युवाओं को सामाजिक समरसता और न्याय की दिशा में सोचने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों को प्रमाणपत्र और सभी स्कूलों स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रेलवे विधि अधिकारी मनोज नायर, बीएमवाय केंद्रीय विद्यालय प्रिंसिपल प्रभा मिंज, रेलवे स्कूल प्रिंसिपल डी लक्ष्मी, रेलवे स्कूल के शिक्षक डॉ. राजीव बलाई, रेलवे वेलफेयर इंस्पेक्टर निसार अहमद, बलवंत शर्मा,गणेश्वर राव, राकेश राय व संतोष रेड्डी, मौजूद थे।

7 छात्र पहुंचे फाइनल में: परिचर्चा में छात्रों को दो वर्गों में बांटा गया था। वर्ग ए में कक्षा 5वीं से 8वीं तक और वर्ग बी में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र शामिल थे। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, तथ्यों की सटीकता और विचारों की अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन किया। जिसमें सात छात्रों का चयन किया गया। ग्रुप ए से जेसिका जोसेफ कीर्तना यादव, एल प्रांजुवल और ग्रुप बी से नायशा बीजू थॉमस, श्यामला बत्रा, प्रियांश राठौर और रश्मि मुदलियार शामिल हैं। इन छात्रों के बीच 14 अप्रैल को अंतिम प्रतियोगियों होगी।

इन स्कूलों के छात्र हुए शामिल: जिले के एमजीएम स्कूल, कृष्णा पब्लिक स्कूल, मानसरोवर विद्यालय, स्वामी आत्मानंद विद्यालय, भिलाई इस्पात विकास विद्यालय, रेलवे स्कूल बीएमवाय, बीएमवाय केंद्रीय विद्यालय, गंगोत्री विद्यालय, ज्योति विद्यालय, किंग्स एंड क्वीन स्कूल, श्री बालाजी विद्या मंदिर स्कूल रायपुर व जीएसआईआईटी स्कूल चरोदा के छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

सेल-बीएसपी का अग्निशमन विभाग: जीवन रक्षा में समर्पित अदृश्य प्रहरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जब आग की लपटें किसी इमारत को निगलने लगती हैं, धुएँ का गुबार साँस लेना दूभर कर देता है, और हर ओर अफ़रा-तफ़री मच जाती है तब कुछ वीर ऐसे होते हैं जो उस खतरनाक धुएँ में भी निर्भीक होकर प्रवेश करते हैं। ऐसे हि हैं सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग के ये कर्मवीर, जिन्हें हम फायर फाइटर्स कहते हैं, न केवल आग बुझाते हैं, बल्कि अनगिनत जिंदगियों को मौत के मुंह से निकाल लाते हैं।

आज जब भिलाई इस्पात संयंत्र की निरंतर उन्नति के साथ समूचा भिलाई अंचल भी आधुनिकता और शहरीकरण की ऊँचाइयों को छू रहा है, तब संयंत्र के अग्निशमन विभाग का कार्य पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण और आवश्यक हो गया है। फायर फाइटर्स का कार्य केवल आग बुझाने तक सीमित नहीं है। वे भूकंप, बाढ़, गैस रिसाव और अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं में भी राहत कार्यों में सबसे आगे रहते हैं। उन्हें अत्यधिक गर्मी, जहरीली गैसें, संकरी गलियाँ, ऊँची इमारतें और धुएँ से भरे बंद स्थानों में काम करना पड़ता है, वो भी तब जब उनका अपना जीवन संकट में होता है। यह कार्य शारीरिक ही नहीं, मानसिक धैर्य और स्थिरता की भी पराकाष्ठा माँगता है।

आज तकनीक ने अग्निशमन विभाग को नई शक्ति दी है। ड्रोन से आग की स्थिति का विश्लेषण, रोबोटिक फायर फाइटर्स का उपयोग, स्मार्ट हेलमेट्स और थर्मल इमेजिंग कैमरा जैसे उपकरण न केवल बचाव कार्य की गति बढ़ाते हैं, बल्कि जवानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं। विशेष रूप से, बंद स्थानों में ब्रीथिंग एपरेटस (बीए सेट) एक वरदान सिद्ध हुआ है, जो विषैली गैसों के बीच भी शुद्ध ऑक्सीजन की आपूर्ति कर फायर फाइटर्स को कार्य जारी रखने में सक्षम बनाता है। होटलों और ऊँची इमारतों में आग लगने की घटनाएँ तकनीकी रूप से अत्यंत जटिल और खतरनाक होती हैं। संकरी सीढ़ियाँ, ऊँचाई तक पहुँच की कठिनाई, दम घुटाने वाला धुआँ और राहत सामग्री पहुँचाने की जटिलता, इन सबके बीच, बीएसपी अग्निशमन विभाग के साहसी जवान विशेष रणनीतियाँ अपनाते हैं। ऐसे में उनके हाई-प्रेशर पंप्स, एयर लिफ्ट तकनीक और ऊपरी मंजिलों तक पहुँच के लिए विशेष सीढ़ीदार वाहन इस चुनौती को पार करने में सहायक हैं।

परन्तु एक कुशल फायर फाइटर बनना साधारण बात नहीं। उन्हें आग बुझाने की तकनीकों, प्राथमिक चिकित्सा, उपकरण संचालन और मानसिक रूप से स्थिर रहने का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। नियमित रिफ्रेशर कोर्स के माध्यम से उन्हें नवीनतम तकनीकी जानकारी और आपात स्थितियों में व्यवहार कौशल का अभ्यास कराया जाता है। बीए सेट का प्रयोग, ऊँची इमारतों में बचाव, और विषम परिस्थियों में टीम समन्वय, सब कुछ प्रशिक्षण का हिस्सा है।

अग्निशमन विभाग केवल दुर्घटनाओं के बाद सक्रिय नहीं होता, बल्कि उनसे पहले जागरूकता और रोकथाम की दिशा में भी गंभीरता से कार्य करता है। व्यावसायिक इमारतों, अस्पतालों, फैक्ट्रियों आदि की अग्नि सुरक्षा प्रणाली का नियमित निरीक्षण, फायर अलार्म, एक्सटिंग्विशर, हाइड्रेंट्स, और निकासी मार्ग की स्थिति की जाँच करना इसके प्रमुख आयाम हैं। साथ ही, आम जनता, छात्र, अस्पताल स्टाफ़ सरकारी अधिकारी और होटल कर्मियों को प्राथमिक अग्निशमन व आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर विभाग एक जागरूक नागरिक समाज का निर्माण कर रहा है। आग लगने की प्रारंभिक स्थिति में कार्यवाही, फायर एक्सटिंग्विशर का प्रयोग, धुएँ से निकलने के सुरक्षित उपाय और दूसरों की सहायता करना, इन सबका प्रशिक्षण जनहानि को काफी हद तक कम कर सकता है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

महिला होमगार्ड के सैकड़ों पदों पर भर्ती परीक्षा 22 को

रायपुर। होमगार्ड विभाग द्वारा 1715 महिला नगर सैनिकों (छात्रावास ड्यूटी) तथा 500 नगर सैनिकों (जनरल ड्यूटी) के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 22 जून 2025 को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा राज्य के चार जिलों रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में संपादित होगी। होमगार्ड विभाग में 1715 महिला नगर सैनिकों (छात्रावास ड्यूटी) तथा 500 नगर सैनिकों (जनरल ड्यूटी) के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु वर्ष 2024 में शारीरिक मापजोख एवं दक्षता परीक्षा चार संभागीय केंद्रों में रायपुर बिलासपुर, जगदलपुर एवं अंबिकापुर में आयोजित की गई थी। जिसमें पात्र 20,137 अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के लिए चयनित किया गया है। चयनित सभी अभ्यर्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। चयनित सभी अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के लिए छत्तीसगढ़ व्यापम वेबसाइट लिंक में जाकर पंजीयन करना अनिवार्य होगा। विभाग द्वारा आवंटित एप्लीकेशन आईडी एवं जन्म तिथि डालकर अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट पर लिखित परीक्षा हेतु आवेदन करेंगे। व्यापम द्वारा पंजीयन नंबर पर ही लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। जिन पात्र अभ्यर्थी द्वारा छत्तीसगढ़ व्यापम की वेबसाइट में जाकर पंजीयन एवं आवेदन सबमिट नहीं किया जाएगा वे अभ्यर्थी लिखित परीक्षा से वंचित होंगे। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अभ्यर्थी की स्वयं की होगी तथा इस संबंध में कोई पत्राचार स्वीकार नहीं होंगे। अभ्यर्थी द्वारा होमगार्ड विभाग के वेबसाइट पर पूर्व में जमा किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र में किसी भी तरह का सुधार या संशोधन किए जाने की अनुमति नहीं होगी। व्यापम की वेबसाइट पर आवेदन पत्र को सफलतापूर्वक सबमिट करना अनिवार्य है। लिखित परीक्षा कार्यक्रम व्यापम वेबसाइट पर पंजीयन उपरांत ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की प्रारंभिक तिथि 16 अप्रैल 2025 है। व्यापम वेबसाइट पर पंजीयन उपरांत ऑनलाइन आवेदन सबमिट करने की अंतिम तिथि 30 मई 2025 शाम 5 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा तिथि 22 जून 2025, परीक्षा का समय पूर्वाहन 2 घंटे की होगी। प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि 13 जून 2025 को एवं परीक्षा केंद्र रायपुर, बिलासपुर जगदलपुर एवं अंबिकापुर में परीक्षा आयोजित होंगे।

भागवत कथा सुनकर भाव विभोर हुए श्रोता

कोरबा। वैष्णव निवास में बीते मंगलवार 8 अप्रैल से प्रारंभ श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञानयज्ञ सप्ताह के दूसरे दिन कथावाचक नारायण महाराज ने वाराह अवतार, कपिलदेव जन्म और ध्रुव चरित्र के प्रसंगों का वर्णन किया और कथा सुनाई। जिसे सुन श्रोता भावविभोर हो गए।कथावाचक ने कथा में वाराह अवतार का वर्णन करते हुए बताया कि जब सनकादिक ऋषियों ने बैकुंठ धाम के द्वारपालों जय और विजय को तीन- तीन जन्म होने तक राक्षस होने का श्राप देकर भगवान विष्णु के हाथों मृत्यु होकर उद्धार का उपाय बताया। सतयुग में भगवान ने हिरण्याक्ष और हिरण्यकशिपु का उद्धार करने के लिए वाराह और नरसिंह का अवतार लिया। त्रेता युग मे यही जय- विजय रावण और कुम्भकर्ण बनकर आए जो श्रीराम के हाथों मृत्यु को प्राप्त हुए। द्वापर युग मे कंस और शिशुपाल बने तो श्रीकृष्ण के हाथों इनका उद्धार हुआ। इस तरह तीन जन्मों के पश्चात जय- विजय पुनरू बैकुंठ धाम में भगवान विष्णु के पार्षद के रूप में लौट आए। वहीं भगवान विष्णु के पांचवे अवतार कपिल मुनि के जन्म कथा का वर्णन करते हुए कहा कि कपिल मुनि विष्णु जी के 24 अवतारों में से प्रमुख अवतार है, जिन्हें अग्नि का अवतार भी कहा गया है। कथा के अनुसार सतयुग में कर्दम ऋषि ने सरस्वती नदी के तट पर दस हजार वर्षों तक कठोर तपस्या की। उन्होंने भगवान से ऐसी पत्नी का वरदान मांगा जो गृहस्थ जीवन और भक्ति मार्ग दोनों में साथ दें। भगवान के निर्देश पर उनका विवाह स्वायंभुव मनु की पुत्री देवहूति से हुआ। भगवान विष्णु ने स्वयं उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने का वचन लिया। कपिल मुनि के साथ उनकी नौ बहने जो कला, अनुसूईया, श्रद्धा, हविर्भू, गति, क्रिया, ख्याति, अरुंधति और शांति थी। कपिल मुनि ने सनातन धर्म के संरक्षण के लिए अवतार लिया और सांख्य दर्शन तथा कपिल गीता जैसी महत्त्वपूर्ण रचनाओं की रचना की, जिसमे जीवन जीने की कला का ज्ञान समाहित है। नारायण महाराज जी ने ध्रुव चरित्र के बारे में बताते हुए कहा कि एक बार उत्तानपाद सिंहासन पर बैठे हुए थे। ध्रुव भी खेलते हुए राजमहल में पहुँच गए, उस समय उनकी अवस्था पांच वर्ष की थी। उत्तम राजा उत्तनपाद की गोद मे बैठा हुआ था।

विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ः सीएम साय ने युवाओं के साथ किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को नवा रायपुर में विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने युवाओं के साथ आत्मीय संवाद कर छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य और विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने युवाओं से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि स्किल डेवलपमेंट, स्टार्टअप प्रमोशन और उद्योगों से जुड़ाव जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें और राज्य के समग्र विकास में अपनी अहम भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद छत्तीसगढ़ में अब अंतिम साँसें गिन रहा है और मार्च 2026 तक नक्सल का समूल नाश होगा। छत्तीसगढ़ की यह सुंदर धरती विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगी और शांत, सुरक्षित, खुशहाल और समृद्ध प्रदेश के रूप में इसे नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज नवा रायपुर में एएनआई द्वारा आयोजित विचार फॉर विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने एएनआई की संपादक श्रीमती स्मिता प्रकाश के साथ पॉडकास्ट में अपने पारिवारिक, राजनीतिक जीवन और मुख्यमंत्री के रूप में अब तक के सफर और उपलब्धियों पर खुलकर बातचीत की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने प्रदेशवासियों के हित में मोदी की गारंटी की बात कही थी और हमारी सरकार ने बड़े निर्णय लेते हुए इसे पूरा करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकांश मोदी की गारंटी पूरी कर दी गई हैं। हमारी सरकार ने पहले ही कैबिनेट में 18 लाख गरीब परिवारों को आवास मुहैया कराने का बड़ा फैसला लिया था। प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रतिमाह ?1000 की राशि प्रदान की जा रही है। पीएससी की परीक्षाओं में युवाओं के साथ हुए अन्याय के खिलाफ सीबीआई जांच जैसे बड़े निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास को गति देने के लिए निवेश अनुकूल नई औद्योगिक नीति लागू की गई है। इस नीति की सफलता का प्रमाण इस बात से मिलता है कि इसके लागू होने के बाद से सरकार को करोड़ों रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। हमारा उद्देश्य निवेश के साथ-साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार देना भी है। श्री साय ने कहा कि हमने विकसित छत्तीसगढ़ का विजन डॉक्युमेंट तैयार किया है और विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में हर प्रदेशवासी की अहम भूमिका होगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

जो समाज पिछड़ा हुआ है उनका नेता अगर सो जाएगा तो वो समाज कैसे आगे बढ़ेगा : डॉ. अंबेडकर

सामाजिक समानता के अग्रदूत, भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय संविधान के शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़ा एक रोचक प्रसंग याद आता है जब एक बार विदेशी पत्रकारों का प्रतिनिधि मंडल भारत भ्रमण पर आया। यह प्रतिनिधि मंडल जब बाबा साहेब अंबेडकर के नई दिल्ली स्थित निवास पर पहुंचा तो उन्हें आधी रात में भी डॉ. अंबेडकर अपने अध्ययन कक्ष में पढ़ते हुए नजर आये। तब उन्होंने अंगरक्षकों से अंदर प्रवेश की इजाजत के साथ अपना परिचय देते हुए सवाल किया। जब हम अन्य राष्ट्रीय नेताओं के यहां मुलाकात करने उनके निवास पर गये तो वे सोते हुए मिले, मगर इतने रात भी आप जग रहे हैं, इसका क्या कारण है ? बाबा साहब ने कहा बंधुओं, वे इसलिए सोए हुए हैं क्योंकि उनका समाज जगा हुआ है ? उनका नेता सो जायेगा तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन जो कौम, वे लोग, वह समाज पिछड़ा हुआ है उनका नेता सो जाएगा तो वह समाज कैसे आगे बढ़ेगा ? भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर हमारे संविधान निर्माता के रूप में सदैव याद किये जायेंगे। भारत के संविधान में डॉ. अंबेडकर ने मौलिक अधिकारों की व्याख्या जिस प्रकार की है वह विश्व में अद्वितीय है। भारतीय संविधान केवल मौलिक अधिकारों को निरुपित नहीं करता बल्कि इनकी प्राप्ति एवं इनको लागू हेतु विशिष्ट प्रावधान भी इसमें समाहित है। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का जीवन हमें सहसा भगवत् गीता में भगवान कृष्ण द्वारा प्रतिपादित कर्मयोग सिद्धांत की याद दिलाता है। उनका पूरा जीवन ही निष्काम भाव से लोक कल्याण के लिए समर्पित था। वे महान पुरुषार्थी थे और उन्होंने शोषितों और दलितों का उद्धार कर अपनी भीष्म प्रतिज्ञा पूरी की।

बाबा साहब जनसभाओ में अक्सर कहा करते थे-

शिक्षा उस शेरनी के दूध के समान है, जो पियेगा वो दहाड़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार भी समाज के अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग सहित सभी वर्गो के उत्थान की दिशा में कार्य करते हुए बाबा साहेब के आदर्शों पर चल रही है। डॉ. अम्बेडकर ने कार्यस्थल पर कामकाजी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए साप्ताहिक अवकाश की सुविधा देने की पहल की थी। प्रदेश सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए महतारी वंदन योजना लागू की है जिसके तहत हर माह एक हजार रूपए प्रदान किए जा रहे हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के युवाओं को यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए नई दिल्ली में यूथ हॉस्टल का संचालन सरकार द्वारा किया जा रहा है। जिसकी सीटें 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है। मुख्यमंत्री की पहल पर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति बाहुल ग्रामों के विकास हेतु अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। प्रदेश में अनुसूचित वर्ग के प्री-मैट्रिक छात्रावास, पोस्ट मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रम की संख्या 486 है, जिसमें 23228 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अस्पृश्यता निवारण हेतु अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना संचालित की जा रही है, जिसमें प्रत्येक जोड़े में से एक अनुसूचित जाति वर्ग का हो, उन्हें शासन द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप 2 लाख 50 हजार रूपए प्रदान किया जाता है।

बाबा साहेब अंबेडकर का जन्म यद्यपि निर्धन तथा दलित परिवार में हुआ किंतु उन्होंने अपने कठोर परिश्रम, निरंतर संघर्ष और योग्यता से तत्कालीन विषम और कठिन सामाजिक परिस्थितियों के बावजूद भी संविधान के निर्माता बनने तक के उच्च शिखर को प्राप्त किया। बाबा साहेब ने सतत् और कठिन परिश्रम से विद्यार्जन किया और अनेक शास्त्रों के ज्ञाता बने। अपने ज्ञान से केवल वे ही आलोकित नहीं हुए बल्कि उन्होंने पूरे समाज को आलोकित किया। बाबा साहेब एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे, जिन्होंने मानवतावादी मूल्यों की स्थापना तथा सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन जनमानस को समर्पित कर दिया। समाज में समरसता के पक्षधर बाबा साहेब ने उपेक्षित और निर्बल लोगों के जीवन में एक नयी चेतना का प्रकाश फैलाया। उनका मानना था कि समाज सुधार के बिना सच्ची राष्ट्रीयता का उदय संभव नहीं। बाबा साहेब ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने उपेक्षित और शोषित वर्ग के दिलों में नयी स्फूर्ति और चेतना का संसार कर उसे आम जनता के बराबर खड़ा करने का प्रयास किया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत जब संविधान निर्माण का कार्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर को सौंपा गया तो उन्होंने न्याय, समता और बंधुत्व के महान सिद्धांत पर आधारित विश्व के सर्वोत्तम संविधान के निर्माण में उल्लेखनीय भूमिका निभायी। यह संविधान हमें समानता और अधिकारों की रक्षा की गारंटी देता है। बाबा साहेब के इस महान कार्य के लिए अमरीका की कोलंबिया विश्वविद्यालय ने उन्हें एल.एल.डी. की मानद उपाधि से विभूषित किया।

संघर्ष व्यक्तित्व की कसौटी है उस कसौटी पर खरा उतरने वाला व्यक्ति यदि नैतिकता से पूरी तरह जुड़ा हुआ हो तो उसकी कभी पराजय नहीं होती। यदि पराजय होती भी है तो वह क्षणिक ही रहती है। डॉ. अंबेडकर का जीवन प्रतिक्रिया से भरा है, आवेगों से सना रहा है। अंतर यह है कि उनकी प्रतिक्रिया और आवेग स्वार्थ के लिए नहीं बल्कि उस दलित समाज के उद्धार के लिए थे। जिस पर सदियों से आघात होता रहा है। यदि राष्ट्र के लिए सब कुछ नहीं कर पाते जो उन्होंने कर दिया। डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ऐसे ही महापुरुष थे जिन्होंने दलितों के उद्धार में अपनी सारी जिंदगी की आहूति कर दी उन्होंने दकियानुसी तथाकथित सामाजिक और धार्मिक परंपराओं के विरोध में तीखा संघर्ष किया और समुद्र मंथन जिससे उत्पीड़ित और समस्त जनता के लिए महासुखदायी अमृत हाथ लगा। जैसा कार्य किया उसकी मानसिकता बदली और जीवन को एक नया पाथेय मिला।

डॉ. भीमराव अंबेडकर एक ऐसा बहुमुखी व्यक्तित्व है, जिसके मूल में शोषितों उपेक्षितों को न्याय दिलाने की छटपटाहट है। इसके लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया।

स्वच्छ, सुंदर और विकसित कवर्धा की दिशा में प्रशासनिक पहल : नवीन बाजार होगा सुव्यवस्थित

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। स्वच्छ, सुंदर और विकसित कवर्धा की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने आज शनिवार सुबह कवर्धा नगर के सबसे बड़े नवीन बाजार का निरीक्षण किया और बाजार को सुव्यवस्थित करने हेतु अनेक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कलेक्टर को पालिका की भावी योजनाओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने बाजार में सुगठित ढंग से दुकानों की व्यवस्था, आमजन को यातायात जाम से राहत दिलाने के लिए मछली, चिकन व मटन मार्केट को नवीन बाजार से ट्रांसपोर्ट नगर की ओर स्थानांतरित करने की योजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके साथ ही उन्होंने नवीन बाजार के मुख्य द्वार का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने और बंद दुकानों को चालू कराने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान बाजार क्षेत्र को धूल मुक्त करने के लिए रोड के किनारे को सीसी या पेवर लगाने की कार्य योजना बनाने के लिए निर्देशित भी किए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निरीक्षण के दौरान बाजार के प्रत्येक मार्ग का अवलोकन किया और वहां उपस्थित नागरिकों से बाजार में होने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु पालिका अधिकारियों को सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय वार्ड पार्षद श्री सुनील साहू, श्री दुर्गेश अवस्थी, कवर्धा एसडीएम श्री मुकेश रावटे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री रोहित साहू, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि एक दिन पूर्व शुक्रवार को कलेक्टर गोपाल वर्मा एवं पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने नगर विकास के उद्देश्य से व्यापारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की थी। बैठक में व्यापारियों से शहर के सौंदर्यीकरण और स्वच्छता के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए, जिनमें से कई महत्वपूर्ण सुझावों को गंभीरता से संज्ञान में लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि कवर्धा हमारा शहर है और इसे सुंदर तथा स्वच्छ बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है तथा प्रमुख मार्गों की नालियों की सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि कोई भी सफाईकर्मी सड़क का कचरा नालियों में न डाले, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें और अपने स्तर से भी योगदान दें।

पालिका अध्यक्ष ने मांगा जनसहयोग: नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने में व्यापारियों द्वारा दिए गए सुझाव अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि नालियों पर कचरा न फेंके और नालियों के ऊपर बने अवैध चबूतरों को स्वयं हटाएं, ताकि समय पर साफ-सफाई संभव हो सके।

जनजाति समाज का गौरवमयी इतिहास रहा है : केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप आज जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के ग्राम पंचायत टोला गांव ब्राह्मण भेड़ी में आयोजित प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं नवनिर्वाचित जिला पंचायत, जनपद पंचायत सदस्य एवं सरपंचों का सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

उन्होंने यहां आयोजित गरिमामयी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनजाति समाज का गौरवमयी इतिहास रहा है। जनजाति समाज के अनेकों विभूतियों ने देश और समाज को एक दिशा देने का उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज आदिकाल से पर्यावरण के साथ जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गैंद सिंह जैसे विभूतियों ने समाज को गौरवान्वित किया है। उन्होंने आगे कहा कि जनजाति समाज विपरीत परिस्थिति में भी लडने की अदम्य साहस रखता है। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के गौरवमयी इतिहास, परंपरा, संस्कृति और विरासत को सहेजे रखने के लिए समाज के सभी नागरिकों की भागीदारी की जरूरत है।

मंत्री कश्यप ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार जनजाति समाज को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति के पद पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूरे समाज को गौरवान्वित कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थी आज अनेक क्षेत्रों में अपना परचम लहराकर समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि जनजाति समाज को संगठित और एकजुटता के साथ रहकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए आगे आना चाहिए। इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य एवं सरपंचों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कबड्डी खेल के विजेता खिलाड़ियों को भी प्रतीक चिन्ह भेंटकर कर सम्मानित किया। मंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर ग्राम वासियों की मांग पर कबड्डी खेल के लिए उपयोग में आने वाले मेट, सामुदायिक भवन, धान खरीदी केंद्र खोलने सहित क्षेत्र के विकास को देखते हुए सभी आवश्यक कार्ययोजना को पूरा करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, वनमण्डलाधिकारी दिनेश पटेल, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, अपर कलेक्टर विजेन्द्र सिंह पाटले सहित अन्य अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, अधिक संख्या में गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे।

ब्रेस्ट इंप्लांट एक तरह की सर्जरी है जिसके जरिए ब्रेस्ट की शेप और साइज को ठीक किया जाता है या फिर बेहतर बनाया जाता है। इस सर्जरी में ब्रेस्ट के अंदर आर्टिफिशियल मेटेरिअल की एक परत लगाई जाती है। कई बार यह बात सामने आती है कि क्या ब्रेस्ट इंप्लांट के बाद शिशुओं को स्तनपान यानी ब्रेस्टफीडिंग कराया जा सकता है।

क्या ब्रेस्ट इम्प्लांट के बाद ब्रेस्टफीडिंग संभव है?

जानकारों के मुताबिक सभी प्रकार के ब्रेस्ट इम्प्लांट से स्तनपान यानी ब्रेस्टफीडिंग में समस्या नहीं होती। आमतौर पर तीन तरह के ब्रेस्ट इम्प्लांट किये जाते हैं। इम्प्लांट की एक्जीलरी तकनीक में बगल यानी आर्मपिट के नीचे चीरा लगाकर इम्प्लांट किया जाता है। आर्मपिट के आसपास की मांसपेशियां ब्रेस्ट और मिल्क से नहीं मिली होती, इसलिए ऐसे इम्प्लांट से ब्रेस्टफीडिंग पर कोई असर नहीं पड़ता।

इंफ्रा-ममरी तकनीक में ब्रेस्ट के नीचे चीरा लगाया जाता है। एक्जीलरी तकनीक की ही तरह यह भी सुरक्षित है, और ब्रेस्टफीडिंग के लिए बाधक नहीं होता । साथ ही स्तन से दूध भी आसानी से निकलता है। भारत में इम्प्लांट के लिए आमतौर पर यही दो तरीके अपनाए जाते हैं। इससे ब्रेस्टफीडिंग की समस्या नहीं होती, बल्कि इसके नतीजे भी अच्छे निकलते हैं। इंप्लांट के बाद स्तन भी नेचुरल दिखते हैं और निशान भी नहीं पड़ते।

पेरिआरिओलर तरीके से ब्रेस्ट इंप्लांट अच्छा नहीं माना जाता है। इस तरीके का चुनाव नहीं करना चाहिए। इसमें निप्पल के पास चीरा लगाया जाता है। जिससे उन टिशु को नुकसान पहुंचता है जो ब्रेस्टफीडिंग के लिए जरूरी हैं। साथ ही इससे दूध निकलने का रास्ता बाधित हो जाता है।

गर्मियों में स्वस्थ रहने के लिए आजमाए ये तरीके

गर्मी के मौसम में हेल्थ को लेकर ज्यादा ही सावधान रहने की जरूरत होती है। इनदिनों बड़ी आसानी से आपकी तबियत खराब हो सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको यह बता रहे हैं कि गर्मी के मौसम में आप अपनी सेहत को कैसे ठीक रख सकते हैं।

पानी

गर्मी के मौसम में इंसान के शरीर को पानी की ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में सुबह उठने के साथ ही आपको भरपूर पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिन में कोशिश करें की आप चाय का सेवन ना करें। इससे अपच बढ़ती है।

नारियल पानी

गर्मी के मौसम में आप रोज नारियल पानी पी सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। नारियल पानी आपके शरीर में गर्मी के दिनों में अमृत की तरह काम करता है। नारियल पानी के साथ ही गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा दही का सेवन करना चाहिए। दही में कई तरह के एंटीबायोटिक होते हैं। दही से अपच दूर होती है और शरीर में ठंडक बनी रहती है।

फल

गर्मी में नाश्ते के वक्त फलों का सेवन करें। फल आपको ताजगी और फुर्ती देंगे। गर्मी से बचने के लिए फल रामबाण उपाय है। वहीं इस मौसम में चने का सेवन भी आपके शरीर को देगा ठंडक। चने के सेवन से ज्यादा धुप में रहने से भी पको अधिक प्यास नहीं लगती है।

धनिया, पुदीना और प्याज

खाना खाते समय गर्मी के मौसम में अपना पाचन ठीक रखने के लिए खाने के साथ धनिया, पुदीना और प्याज जरूर खाएं। इसकी चटनी बना कर खाने से गर्मी के दिन में आपकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं इस आसान तरीके से आप अपने पेट के तकलीफ से बचे हुए रहेंगे।

गर्मियों में इन घरेलू नुस्खों से दूर करे स्किन टैनिंग

तपती, झुलसती गर्मियों में त्वचा के कालेपन से परेशान होकर ब्यूटी सैलून जाने के बजाय इस बार इन प्राकृतिक उपायों को अपनाकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं।

नींबू का रसः

प्रभावित स्थान पर नींबू का रस लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें उसके बाद ठंडे पानी से धो लें। कुछ सप्ताह यह करने पर त्वचा का कालापन और दाग धब्बे भी कम होंगे। नींबू के रस के साथ खीरा या दही मिलाकर भी लगा सकते हैं।

कच्चा टमाटरः

टमाटर के टुकड़े काटें और प्रभावित स्थान पर लगाएं। यह कालापन दूर करता है और नियमित इस्तेमाल करने पर कुछ सप्ताह में त्वचा की रंगत साफ करता है।

दहीः

त्वचा पर दही और अन्य दुग्ध उत्पाद लगाने से त्वचा मुलायम होती है और उसकी रंगत और दाग धब्बों में भी सुधार होता है।

एलोवेरा, गुलाब जल और ग्लीसरीनः

इन तीनों का मेल त्वचा की खूबसूरती के लिए बेहद प्रभावशाली है। यह दाग धब्बों और कालेपन को हल्का करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है।

जई का आटा, शहद, दहीः

धूप के कारण झुलसी त्वचा की मृत कोशिकाओं को दूर करने के लिए ये कारगर घरेलू स्क्रब हैं। त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने से कुछ दिनों में कालापन दूर हो जाता है और त्वचा खिली निखरी हो जाती है।

कमजोर हड्डियां, जोड़ों में दर्द आदि ऐसी कई समस्याएं हैं जिनके लक्षण केवल बुढ़ापे या बचपने में देखे जाते थे। लेकिन अब इनके लक्षण युवाओं में भी देखे जा रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि तनाव के कारण हाइपरटेंशन, हृदय रोग, पाचन संबंधी विकार, अवसाद और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो जाती हैं। लेकिन अब इसका असर हड्डियों पर भी पड़ने लगा है। इसका आपकी हड्डियों पर एक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

आपकी हड्डियों को कमजोर बना सकता है तनाव!

तनाव के कारण कुछ युवाओं में ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या देखी गई है। शहरी महिलाओं में काम और परिवार की देखभाल के चलते ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा तेज़ी से बढ़ रहा है। नींद की कमी, कम फिजिकल एक्टिविटी और घंटों काम करना आदि से तनाव पैदा होता है। आप ऑस्टियोपोरोसिस से बचने के लिए प्राकृतिक उपचार का उपयोग कर सकते हैं।

जब तनाव कम होता है, तो उसे सामान्य माना जाता है लेकिन तनाव ज्यादा होने पर इसका बॉडी और माइंड पर बुरा प्रभाव पड़ता है। पहला, जब तनाव ज्यादा होता है, तो बॉडी कोर्टिसोल हार्मोन जारी करती है। बॉडी द्वारा कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ने से हड्डी के निर्माण में बाधा होती है। वास्तव में बॉडी कोर्टिसोल के पीएच संतुलन को प्रभावहीन करने के लिए हड्डियों से कैल्शियम जारी करती है। दूसरा, तनाव ज्यादा होने पर व्यक्ति अपनी स्वस्थ आदतें जैसी पूरी नींद, पर्याप्त भोजन और एक्सरसाइज़ करना आदि छोड़ देता है। इन सबके कारण भी हड्डी की हानि हो सकती है।

डॉक्टर के अनुसार, अपने डॉक्टर की सलाह के बाद आप कैल्शियम से भरपूर फूड्स और सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर सकते हैं। शरीर के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों का ख्याल रखें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। इससे बचने के लिए शारीरिक गतिविधि बभी बहुत जरूरी है। आप योग और ध्यान का अभ्यास कर सकते हैं। 35 साल की उम्र के बाद अपने हड्डी घनत्व की जांच कराएं।

बदहजमी ठीक करने में कारगर है पुदीना

पुदीना का इस्तेमाल न सिर्फ औषधि के रूप में किया जाता है वरन् खाने में फ्लेवर लाने के लिए भी किया जाता है। प्राचीन काल से पुदीना बदहजमी संबंधी किसी भी समस्या के उपचार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

शायद आप सोच रहे होंगे कि पुदीने में ऐसा क्या है जो हाजमा को बेहतर बनाने में इतना मदद करता है। पुदिना में फाइटोन्यूट्रिएन्ट्स और एन्टीऑक्सिडेंट होता है जो खाना को डाइजेस्ट करने में सहायता करता है। इस हर्ब में मेन्थॉल रहता है जो डाइजेस्टिव ट्रैक्ट में बाइल सॉल्ट और एसिड के निष्कासन को एक्टिव करता है। बदहजमी के कारण पेट में जो गैस बनने लगता है उसको ये पेट के मांसपेशियों को शांत करके निकालने में पुरी तरह से सहायता करता है। मेन्थॉल के कारण जो मांसपेशियों का संचालन अच्छी तरह से होने के कारण बदहजमी के लक्षणों के दूर करके बैचनी में चैन दिलाता है। पुदीना बदहजमी के कारण पेट में दर्द, गैस, एसिडिटी जैसे लक्षणों से मिनटों में आराम दिलाता है।

बड़े काम का जामुन, भूख बढ़ाता है

जामुन स्वाद में खट्टा-मीठा होने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। जामुन खाने से भूख भी बढ़ती है। इसमें ग्लूकोज और फ्रक्टोज पाया जाता है। यह गर्मी की शुरुआत में ही बाजार में आने लगता है। इसमें ऐंटिऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं और शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। यह पाचन तंत्र के लिए भी काफी फायदेमंद है। बस एक बात का ध्यान रखें कि खाली पेट जामुन न खाएं। जामुन के फायदों पर एक नजर

- मुंहासे होने पर जामुन की गुठलियों को सुखाकर पीस लीजिए। रात को सोते समय इस पाउडर में गाय का दूध मिलाकर चेहरे पर लगाइए, इस लेप को सुबह ठंडे पानी से धो लीजिए।
- विटमिन सी की कमी को दूर करने के लिए जामुन खाना अच्छा रहता है। बहुत कम लोगों को यह मालूम होगा कि जामुन में विटमिन सी काफी मात्रा में पाया जाता है।
- जामुन का सिरका बनाकर बराबर मात्रा में पानी मिलाकर खाने से न केवल भूख बढ़ाती है, बल्कि कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है।
- जामुन में फ्लेवोनॉइड्स, फेनॉल्स, प्रोटीन और कैल्शियम भी पाया जाता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद होता है।
- ग्लूकोज और फ्रक्टोज के रूप में मिलने वाली शुगर शरीर को हाइड्रेट करने के साथ ही कूल और रिफ्रेश करती है।
- अगर आपको कमजोरी महसूस होती है या आप अनीमिया से पीड़ित हैं तो जामुन खाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।
- अगर आपको ऐसिडिटी की समस्या रहती है तो काले नमक में भुना जीरा मिलाकर पीस लें। फिर इसके साथ जामुन खाएं। ऐसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी।
- अगर आपका बच्चा बिस्तर गीला करता है तो जामुन के बीजों को पीसकर आधा-आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ पिलाएं।
- गले के रोगों में जामुन की छाल को बारीक पीस लें। इसको पानी में घोलकर 'माउथ वॉश' की तरह गरारा करें। इससे गला तो साफ होगा ही, सांस की दुर्गंध भी दूर हो जाएगी और मसूढ़ों की बीमारी भी दूर हो जाएगी।
- विषैले कीड़ों के काटने पर जामुन की पत्तियों का रस पिलाना चाहिए। काटे गए स्थान पर इसकी ताजी पत्तियों का पुल्टिस बांधने से घाव ठीक होने लगता है क्योंकि जामुन के चिकने पत्तों में नमी सोखने की क्षमता होती है।

एक दुसरे की संस्कृति को समझेंगे और सम्मान करेंगे तभी सशक्त भारत का निर्माण होगा - राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में अरूणाचल प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि जब हम एक-दूसरे की संस्कृति को समझेंगे, स्वीकार करेंगे और उसका सम्मान करेंगे तभी सशक्त भारत का निर्माण होगा।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत यह आयोजन किया गया था जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले इन राज्यों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर शुरू किए गए 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम हमें आपसी सांस्कृतिक आदान-प्रदान आर्थिक सहयोग और राष्ट्रीय एकता को बढ़ाने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की विविधता यहां के खान-पान, पहनावे, परंपराओं, रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों में देखी जा सकती है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली भाषाओं की विविधता देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ''राजाओं की भूमि'' के रूप में जाना जाने वाला राजस्थान अपने शाही इतिहास, भव्य किलों और महलों के साथ भारतीय वीरता और सांस्कृतिक गौरव की कहानियों को संरक्षित किए हुए है। इस राज्य के लोग बहुत मेहनती होते है। यहां के लोग अपनी मेहनत और लगन के बल पर आर्थिक उन्नति कर रहें और देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी राज्यों में वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में मारवाड़ी समाज ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। राजस्थान के लोग जहां भी जाते है वहां की संस्कृति में घुल मिल जाते है। उन्होंने कहा कि माउंटआबू में स्थित दिलवाड़ा जैन मंदिर शिल्पकला का एक अदभुत नमूना है, भारत में ऐसा कहीं नहीं है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़िया और उड़िया भाई-भाई हैं। दोनों राज्यों की संस्कृति एक-दूसरे से बहुत मिलती-जुलती है। छत्तीसगढ़ में 35 लाख ओड़िया भाई रहते है। ओडिशा राज्य के नागरिक विभिन्न क्षेत्रों, विशेषकर कृषि और खनन में अपनी विशेषज्ञता के साथ छत्तीसगढ़ आए हैं। उनके कृषि ज्ञान और कौशल ने छत्तीसगढ़ की मदद की, जबकि खनन में उनके अनुभव ने राज्य में खनन उद्योग के विकास में मदद की। इसके अलावा, ओडिशा के नागरिकों ने अपने अनूठे त्योहारों, नृत्य रूपों और हस्तशिल्प से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध किया है।

श्री डेका ने अरूणाचल प्रदेश की विशेषताओं का जिक्र किया और कहा कि अरूणाचल प्रदेश की संस्कृति विशिष्ट है क्योंकि इसमे 26 विभिन्न जनजातियों सहित 100 से अधिक उप जातियों की संस्कृतियां समाहित है। प्रत्येक जनजाति अपनी-अपनी परंपराओं और रीति रिवाजों का पालन करती। यहां हिन्दू, बौद्ध, ईसाई समुदाय के लोग भी मिलजुल कर रहते है। उन्होंने कहा कि अरूणाचल प्रदेश को पारंपरिक शिल्प कौशल का उपहार प्राप्त है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होता रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित इन राज्यों के बच्चों एवं युवाओं ने अपने राज्य की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। ओडिया नृत्य, घूमर एवं अन्य राजस्थानी लोक नृत्य सहित अरूणाचल प्रदेश के जीवंत नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया।

ओडिशा राज्य के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित विधायक पुरंदर मिश्रा, राजस्थान के प्रतिनिधि महेन्द्र धाड़ीवाल और अरूणाचल प्रदेश की प्रतिनिधि वन्नाहंकु ने राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा भी राजकीय गमछा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कला केन्द्र के कलाकारों को राज्यपाल ने दिया स्वेच्छानुदान राशि

कार्यक्रम में कला केंद्र रायपुर के वायलिन वादक बच्चों आरिव झा और अमेय शर्मा ने वायलिन पर राग बैरागी भैरव की प्रस्तुति की। राज्यपाल ने उनकी प्रस्तुति की सराहना की और इन बच्चों सहित अन्य वायलिन वादक बच्चों धनंजय साहू और देवव्रत कहार, प्रत्येक को एक-एक हजार रूपये की राशि तथा कला केंद्र रायपुर संस्था को दस हजार रूपये की राशि अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल के विधिक सलाहकार भीष्म प्रसाद पाण्डेय, उप सचिव हिना अनिमेष नेताम, इन सभी राज्यों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, बच्चे, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार के पहले चरण में जिले में एक लाख से अधिक आवेदन मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। सुशासन तिहार से लोगों की समस्याओ, मांग और शिकायतों का समाधान हो रहा है। सुशासन तिहार को लेकर जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है द्य ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग आवेदन लेकर उत्साहपूर्वक जमा किए हैं। वही शहरी क्षेत्र में भी लोग अपनी समस्याओ के निराकरण के लिए आशान्वित दिखे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार आम जनता के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्या के निदान करने की दिशा में कार्य कर की है।

जिले के सभी नगरीय निकायों में लगभग 12 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए है। वही जिले की जनपद पंचायतो में एक लाख से ज्यादा आवेदन मिले है। गौरतलब है कि सुशासन तिहार 2025 का आयोजन तीन चरणों में हो रहा है। पहले चरण में 8 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आम जनता से आवेदन प्राप्त किए गए हैं। अब दूसरे चरण में लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। तीसरी एवं अंतिम चरण में 5 मई से 31 मई 2025 के बीच समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

समाधान शिविरो की सार्थकता को बताते हुए नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने कहा कि 8 अप्रैल से शुरू सुशासन तिहार में लोगों की समस्या संबंधी आवेदन दिए गए हैं, जिन समस्याओं का समाधान मौके पर हो सकता है उनका निराकरण किया जा रहा है और जिन समस्याओं का निराकरण तत्काल संभव नहीं हो सकेगा उसके लिए मई माह में एक महीने का समय रखा गया है उसमें निराकरण करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग अपनी समस्याओं की निराकरण के लिए आशान्वित हैं और उत्साह पूर्वक निगम क्षेत्र में रखी गई समाधान पेटियों में अपने आवेदन डाले हैं।

वहीं राजीव नगर हटकेश्वर वार्ड निवासी सुलेखा अली ने बताया कि वह 80ब दिव्यांग और विधवा महिला है । उन्होंने बताया कि वह प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन देने आई है और उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा उनकी समस्याओं को दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं को रखने का सरकार ने मौका दिया है। आम जनता अपनी मांगों को अब सीधे सरकार के समक्ष रख सकती है।

दानीटोला वार्ड की श्रीमती वंदना साहू ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना के तहत सिलाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया था, जिससे मिलने वाली राशि उन्हें अब तक अप्राप्त है। उन्होंने साय सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि उन्हें उक्त राशि प्रदान करने में सहयोग प्रदान करें, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

जनजातीय कल्याण की योजनाओं के लक्ष्य को तेजी से पूरा करें: सोनमणि बोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि राज्य में जनजातीय कल्याण की योजनाओं को तेजी के साथ पूरा करें। उन्होंने कहा कि बारिश के पहले सभी निर्माण कार्यों को पूर्ण कर लिया जाए। श्री बोरा ने कहा कि आगामी मानसून सीजन में राज्य में संचालित 3357 आश्रम छात्रावासों, 15 प्रयास विद्यालयों एवं 75 एकलव्य विद्यलायों में 10 लाख पौधे लगाये जाएंगे। इसकी भी कार्य योजना पहले से तैयार कर ली जाए। प्रमुख सचिव श्री बोरा नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित विभागीय बैठक सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिले के सहायक आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी जुड़े थे। श्री बोरा जनजातीय जीवनशैली पर आधारित निर्माणाधीन संग्रहालय का निरीक्षण भी किया।

बैठक में प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि आदिवासी विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ पीएम जनमन योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, छात्रवृत्ति योजना, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की निर्धारित लक्ष्यों को योजनाबद्ध तरीके से समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत अति पिछड़े जनजातीय वर्ग के लोगों तथा उस गांव को शत-प्रतिशत व्यवस्थित ढंग से विकसित किया जाए। श्री बोरा ने योजना के तहत पक्का आवास, एप्रोच रोड, आंगनबाड़ी निर्माण, मोबाइल मेडिकल यूनिट, मल्टीपरपज सेंटर, विद्युत कनेक्शन, वनधन विकास केन्द्र सहित संचालित सभी गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि पक्के आवास सहित अन्य लक्ष्यों को 30 अक्टूबर 2025 से पहले हासिल कर लिया जाए। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों को बारीश से पहले पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहायक आयुक्त और नोडल अधिकारी निर्माण कार्यों का मॉनिटरिंग करें, ताकि सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में संपन्न हो सकें।

उन्होंने सहायक आयुक्तों को जिले में कम से कम पांच गांवों को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने के भी निर्देश दिए। प्रथम चरण में धमतरी, जशपुर, गरियाबंद एवं नारायणपुर जिले के सहायक आयुक्तों को इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी हितग्राहियों का आधार कॉर्ड, राशन कॉर्ड, पीएम जनधन खाता, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम मातृ वंदन योजना, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार पटटा, स्वच्छ जल एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं शीघ्र पहुंचाई जाएं।

बैठक में आयुक्त पदुम सिंह एल्मा ने कहा कि छात्रावास-आश्रमों में साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन, स्वच्छ शौचालय, पढ़ाई की उचित व्यवस्था सहित सभी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो। प्रमुख सचिव बोरा आगामी 15 एवं 16 अप्रैल को प्रदेश स्तरीय विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा करेंगे। दूसरे दिन 16 अप्रैल को रायपुर एवं बिलासपुर संभाग में पदस्थ सहायक आयुक्तों की बैठक आयोजित की जाएगी।

दूरस्थ अंचल गांव करडेगा में लगाया गया सुशासन जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार कलेक्टर रोहित व्यास और जिला स्तरीय अधिकारियों ने घने जंगलों के बीच दुलदुला विकास खंड के ग्राम करडेगा में जल जागृति जशपुर के अंतर्गत जल संरक्षण व संवर्धन के लिए जागरूक अभियान और जिला स्तरीय सुशासन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों ने ग्रामवासियों की विभिन्न मांगों और समस्याओं की जानकारी लेकर समाधान किया गया। जनपद पंचायत दुलदुला से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल 183 आवेदन प्राप्त हुए इनमें मांग 182 और एक शिकायत के आवेदन प्राप्त हुए। लोगों ने पेयजल; राशन; पेंशन; अपार आईडी; जाति; निवास एवं राजस्व संबंधित आवेदन दिए हैं। 13 दिव्यांग जनों को समाज कल्याण विभाग से सामग्री वितरण किया गया। कृषि विभाग ने 6 हितग्राहियों को सब्जी बीज वितरण किया और मछली पालन विभाग ने 2 हितग्राहियों को मछली जाल और आईस बाक्स वितरण किया। ग्रामवासियों ने ग्राम करडेगा महाविद्यालय खोलने के लिए बजट स्वीकृत होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को दिया धन्यवाद ग्रामवासियों ने कहा कि अब करडेगा के आस पास के बच्चों को दूर पढ़ाई के लिए नहीं जाना पड़ेगा। जिला पंचायत के उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जुदेव ने सुशासन शिविर को सम्बोधित करते हुए जल संरक्षण और संवर्धन के लिए पानी बचाने की अपील की उन्होंने कहा कि जल है तो कल हम सबको आने वाले समय के लिए जल संग्रहण करना जरूरी है। उन्होंने शासन की सभी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर दुलदुला के जनपद पंचायत अध्यक्ष राजकुमार सिंह; जनपद पंचायत उपाध्यक्ष रविन्द्र गुप्ता ग्राम पंचायत करडेगा सरपंच श्रीमती आशा पैंकरा एसडीएम कुनकुरी नन्द जी पांडे; जनपद पंचायत सीईओ धनेश टेंगवार; जनप्रतिनिधिगण; जिला स्तरीय अधिकारी और ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कलेक्टर ने ग्रामवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिविर का उद्देश्य ग्रामवासियों के सामने ही उनकी समस्याओं का समाधान करना है। ताकि उन्हें जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता न पड़े उन्होंने कहा कि आज दिव्यांग शिविर का भी आयोजन किया गया है। जिसमें दिव्यांग जनों को बैटरी चलित ट्राईसाईकिल; श्रवण यंत्र; बैसाखी; छड़ी दिया गया। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी आवेदन फवती; नामांतरण और राजस्व संबंधी आवेदन का निराकरण किया गया। सुशासन शिविर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य लोगों को जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल के महत्व के प्रति जागरुक करना है। जल हमारे जीवन के लिए अनिवार्य घटक है।

उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने में उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के कार्य सराहनीय : अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री अरुण साव छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा आयोजित उपभोक्ता जागरूकता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित सम्मेलन में आयोग के द्विवार्षिक प्रतिवेदन के मुद्रित एवं ई-संस्करण का विमोचन भी किया। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा और सचिव अन्बलगन पी. विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने उपभोक्ता जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने, धोखाधड़ी व ठगी से बचाने तथा जागरूक करने में राज्य एवं जिला स्तरीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग सराहनीय कार्य कर रहा है। उपभोक्ताओं को ई-जागृति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन सुविधाएं भी मिल रही हैं। उनकी सहूलियत के लिए आयोग ऑनलाइन सुनवाई प्रारंभ करने की भी तैयारी कर रही है। उन्होंने सम्मेलन में मौजूद विधि के छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे उपभोक्ताओं को जागरूक करने और उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराने का काम करें। श्री साव ने आयोग के कार्यों को मजबूती प्रदान करने और विस्तारित करने राज्य शासन से हर तरह का सहयोग प्रदान करने की बात कही। उन्होंने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने व्यापक प्रचार-प्रसार कार्यक्रम संचालित करने की घोषणा की।

छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम चौरड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य शासन की ओर से आयोग को भरपूर सहयोग मिल रहा है। हमारे सभी प्रस्तावों को सरकार ने स्वीकृत किया है। वर्तमान में राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में ई-सुनवाई की व्यवस्था है। आगामी तीन महीनों में हम इस व्यवस्था को प्रदेश के सभी 17 जिला स्तरीय आयोगों में लागू करने जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को शीघ्र न्याय मिले, इसके लिए राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के साथ ही सभी जिला स्तरीय आयोग सक्रियता से काम कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति श्री चौरड़िया ने कहा कि पिछले दो वर्षों में लोगों को न्याय दिलाने आयोग ने मामलों की तेजी से सुनवाई की है। दो वर्ष पहले पूरे प्रदेश में दस हजार 600 मामले लंबित थे, जो अब घटकर 6500 रह गए हैं। अगले छह महीनों में सभी लंबित प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि आयोग आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपभोक्ता हितों के संरक्षण के लिए केस फाइलिंग, सुनवाई और दस्तावेजीकरण के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार शुरू करने जा रहा है। उन्होंने रायपुर में ज्यादा प्रकरणों को देखते हुए आयोग की एक अतिरिक्त बेंच प्रारंभ करने की भी जानकारी दी।

उपभोक्ता जागरूकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा ने कहा कि राज्य व जिला स्तरीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के संचालन के लिए समुचित व्यवस्थाएं प्रदान करना राज्य शासन का दायित्व है। आयोग द्वारा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपभोक्ताओं के लिए ई-फाइलिंग और ई-सुनवाई की सुविधा विकसित की जा रही है। उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए राज्य शासन और आयोग मिलकर काम करते रहेंगे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव अन्बलगन पी. ने अपने संबोधन में कहा कि विगत 25-30 वर्षों में बाजार में हर सामग्री की वेराइटी काफी बढ़ी है। उत्पादों और उत्पादकों की लगातार बढ़ती संख्या के बीच उपभोक्ता हितों के संरक्षण की जरूरत भी बढ़ रही है। उपभोक्ताओं को जागरूक व शिक्षित करने तथा न्याय दिलाने उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रतिबद्धता से काम कर रहे हैं। राज्य शासन और उपभोक्ता संरक्षण विभाग की पूरी कोशिश है कि सभी नागरिकों तक इसका लाभ पहुंचे।

मौसम में बदलावः आंखों में जलन, खुजली व सूजन जैसी होने लगी शिकायतें

कोरबा। तापमान बढने के साथ ही लोगों को आंखों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कोरबा में फ्लिहाल ऐसी शिकायतें लगातार आ रही है कि लोगों को आंखों से संबंधित समस्या है। ऐसे लोग कम खर्च पर उपचार करने स्वास्थ्य विभाग के संपर्क में है और अगर उनकी जेब मजबूत है तो वह निजी क्लीनिक भी पहुंच रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की नेत्र रोग विशेषज्ञ ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण आंखों में जलन, खुजली और सूजन जैसी परेशानियां हो सकती हैं। नेत्र विशेषज्ञ ने बताया कि धूल और प्रदूषण भी इन समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि लोग सतर्क रहें।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

आईपीएल मैचों में सट्टेबाजी, दो सटोरिये गिरफ्तार

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैचों में सट्टा संचालन करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है वहीं मामले में दो अन्य के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई है। बता दें कि आईपीएल सत्र के साथ ही सट्टेबाज़ी गतिविधियों में अचानक तेजी आने लगी थी, जिसे लेकर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा पहले ही जिले में सट्टा कारोबारियों पर निगरानी बढ़ाने और सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए गए थे। इसी क्रम में थाना कवर्धा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 11.04.2025 की रात मुखबिर सूचना के आधार पर उप निरीक्षक रजनीकांत दीवान द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन सट्टा खेलते-खिलाते दो आरोपियों को रंगे हाथ पकड़कर उनके पास से दो एंड्रॉइड मोबाइल जब्त किया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में एसडीओपी कवर्धा कृष्ण कुमार चंद्राकर के पर्यवेक्षण में की गई इस कार्रवाई में यह बात सामने आई कि दोनों आरोपी आर्लपैनलडॉटकॉम नामक वेबसाइट पर अपनी-अपनी आईडी के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा खेल-खिला रहे थे। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने पूछताछ में यह स्वीकार किया कि वे आईडी से सट्टा लगाकर पैसा कमाने का काम करते हैं, और उनके मोबाइल में इस संदर्भ में आवश्यक रिकॉर्ड भी मिला है। मामले में पुलिस ने गोपी गुप्ता पिता कृष्णा गुप्ता, उम्र 42 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 12 बुढा महादेव मंदिर के पास, कवर्धा तथा आशीष गुप्ता पिता स्व. रामशंकर गुप्ता, उम्र 35 वर्ष, निवासी गुप्ता पारा, कवर्धा को गिरफ्तार कर दोनों के विरुद्ध धारा 7 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत मामला कायम कर विवेचना में लिया गया है। दोनों आरोपियों की न्यायिक रिमांड में न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

ट्रैलर पलटने से सड़क पर बिखर गया राखड़-वाहन चालक घायल

कोरबा। दर्री से राखड़ लेकर पाली की ओर आ रही ट्रैलर पाली के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग के ग्राम पाली-कोसाबाड़ी के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। उक्त घटना में वाहन चालक घायल हो गया। उसे राहगीरों की मदद से पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वाहन के पलटने से इसमें लोड राखड़ सडक पर बिखर गया। लोगों ने बताया कि वाहन चालक का नियंत्रण अचानक खो गया इससे यह हादसा हुआ। उल्लेखनीय हैं की कोरबा में विभिन्न कंपनियों का राखड़ बांध स्थित है। यहां से रोजाना भारी मात्रा में राख को ट्रैलर या हाइवा पर लोड कर अलग-अलग दिशाओं में भेजा जा रहा है। इस कार्य में कई ट्रांसपोर्ट कंपनियां शामिल हैं, जो भाड़े पर गाड़ी लेकर राख का परिवहन कर रही है, लेकिन आरोप हैं की तय मापदंडों के अनुसार राख का परिवहन नहीं हो रहा है। इससे लोगों के लिए गंभीर समस्या खड़ी हो गई है।

रायपुर में 3 लाख भेजकर स्वास्थ्यकर्मी से 33 लाख ठगे: शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफे का दिया लालच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में शातिर ठग ने करीब 2 लाख 75 हजार रुपए भेजकर 33 लाख की ठगी की है। सरकारी कर्मचारी और उसकी पत्नी को शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफे का लालच देकर फंसाया था। मुनाफे के भेजे पैसे भी केरल में किए गए फ्रॉड के हैं, इसलिए केरल पुलिस ने पीड़ित के अकाउंट को फ्रिज कर दिया। अब पीड़ित स्वास्थ्यकर्मी अपने अकाउंट को अन-फ्रीज कराने के लिए भटक रहा है। उसने मोवा पुलिस को शिकायत दी है, जिसमें अपने साथ ठगी की वारदात के बारे में बताया है।

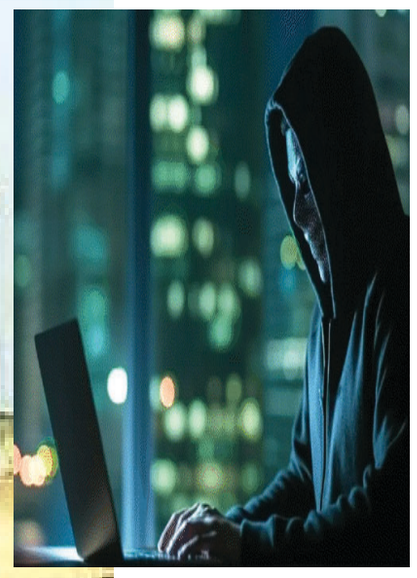

जानिए कैसे हुआ फ्रॉड

मोवा थाना प्रभारी कमलेश देवांगन ने बताया कि दलदल सिवनी निवासी मनोज कुमार स्वास्थ्य विभाग में काम करते हैं। वॉट्सऐप नंबर पर ठग ने खुद को SBI Securities और IBHK (IBHKR Zxx-Origin Capital Increase Plan) का एजेंट बताकर संपर्क किया। उन्हें एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ा गया, जिसमें पहले से कई लोग शामिल थे। ग्रुप में शेयर मार्केट में मुनाफे की गारंटी देने का दावा किया गया, जिसके बाद झांसे में आकर उन्होंने 7 अक्टूबर 2024 को अपनी पत्नी के एचडीएफसी खाते से यूको बैंक के एक खाते में 2 लाख रुपए ट्रांसफर किए।

अलग-अलग खातों से 32.80 लाख ट्रांसफर

इसके तीन दिन बाद 2.75 लाख रुपए मुनाफे के रूप में वापस आए, जिससे उन्हें भरोसा हो गया। इसके बाद स्वास्थ्यकर्मी ने 3 से 15 अक्टूबर 2024 के बीच अलग-अलग खातों में 32 लाख 80 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इन ट्रांजेक्शन में बंधन बैंक, यूको बैंक, ICCIC, HDFC और रोहताश इलेक्ट्रिसिटी जैसे खातों में रकम भेजी गई। इस दौरान कुछ राशि उनके HUF खाते से भी भेजी गई। इसके बाद जब उनके खातों में कोई लेनदेन नहीं हुआ और बैंक से जानकारी ली गई, तो पता चला कि उनके खाते में 2.75 लाख रुपए एक फ्रॉड खाते से आए थे। जिस कारण उनके बैंक खाते फ्रीज कर दिया गया है।

मनोज के बैंक अकाउंट में जो रुपए आए थे, वह फ्रॉड ने किसी केरल के व्यक्ति से ठगी कर भेजे थे, जिसके बाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, त्रिशूर (केरल) को मामले की शिकायत की। आधार कार्ड, बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेज ईमेल किए, लेकिन अब तक उनके खाते अन-फ्रीज नहीं हुए हैं। पीड़ित मनोज ने बताया कि उनके खाते से सैलरी और लोन की किस्तें कटती हैं, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी हो रही है। इस मामले में उन्होंने पुलिस से जल्द एक्शन लेने की मांग की है।

लंदन का वीजा बनवाने के बहाने ठगी

रायपुर। रायपुर में 6 लोगों से नौकरी के लिए लंदन का वीजा बनवाने के बहाने ठगी की गई है। एक होटल के कुक ने कर्मचारियों से करीब 19 लाख रुपए ऐंठ लिए। फिर होटल का काम छोड़कर भाग गया। कर्मचारियों ने जब फोन से संपर्क किया तो उसने अपना फोन भी बंद कर दिया। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस शिकायत मिलने के बाद जांच में जुट गई है। तेलीबांधा पुलिस को समीर भीलवार ने बताया कि, मई 2023 में वह गौरव गार्डन तेलीबांधा में काम करता था। इस दौरान वहां पर सेफ(कुक) विवेक सिंह ठाकुर ने बताया कि विदेश में भी काम कर चुका है। लंदन में बहुत पैसा है हम सभी को मिलकर वहां जाकर कमाना चाहिए। विवेक ने कई दिनों तक इस बात को बोलते हुए अन्य कर्मचारियों को भी झांसे में ले लिया। इस दौरान गौरव गार्डन में काम करने वाले समीर भीलवार, अंकित रतोडी, छतलाल देवांगन, सुमीत मुसान, मनोज नाहक और मनीष एम संगमा ने कहा कि, उनके पास वीजा बनवाने के लिए पैसे नहीं है। तो विवेक सिंह ने कहा कि हर आदमी को साढ़े 3 लाख रुपए लगेंगे। पैसा एक साथ देने की जरूरत नहीं है धीरे-धीरे करके दे दीजिएगा।

बड़ी मां की करतूत, बहन की बेटी का करा रही थी दुष्कर्म

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रिश्तों को तार तार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपनी छोटी बहन की बेटी का युवक से दुष्कर्म करा रही थी। नाबालिग अपनी बड़ी मां के घर रहने गई तो उसने एक युवक से परिचय कराया और कह दिया कि इसी से शादी करनी है। इसके बाद युवक बार बार घर आता और नाबालिग से जबरदस्ती करता। एक दिन वहां से निकलकर युवती अपनी मौसी के पास पहुंची और सारी बात बताई। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज किया और आरोपी युवक व पीड़िता की बड़ी मां गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार 10 अप्रैल 2025 थाना सिटी कोतवाली क्षेत्रांतर्गत एक ग्राम की प्रार्थिया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी 15 वर्षीय नाबालिक भतीजी 7 अप्रैल 25 को उसके घर आई थी। आने के बाद वह गुमसुम रहती थी। प्रार्थिया के द्वारा गुमसुम रहने का कारण पूछने पर, उसकी

नाबालिक भतीजी पीड़िता ने बताया कि एक राहुल नाम के लड़के के द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया गया है। प्रार्थिया के द्वारा जब अपनी नाबालिक भतीजी पीड़िता से पूरी बात पूछने पर नाबालिक पीड़िता ने बताया कि तीन से चार माह पहले उसकी बड़ी मां ने एक राहुल नाम के लड़के को घर बुलाया था, जिससे नाबालिक पीड़िता का परिचय कराते हुए, उसकी बड़ी मां ने कहा था कि राहुल एक अच्छा लड़का है, इसी से तुम्हारी शादी करना है।

नाबालिक पीड़िता की बड़ी मां आरोपी राहुल को बार बार फोन कर घर बुलाती थी, इसी दौरान 24 दिसंबर 2024 को रात्रि लगभग 11 बजे नाबालिक अपने कमरे में सोई हुई थी व उसकी बड़ी मां बगल के कमरे में सोई हुई थी। अचानक आरोपी राहुल नाबालिक के कमरे में आया और उसके मना करने के बावजूद जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के चिल्लाने पर भी, बगल के कमरे में सो रही उसकी बड़ी मां नहीं आई। सुबह नाबालिक पीड़िता के द्वारा घटना के संबंध में अपनी बड़ी मां को बताने पर, उसकी बड़ी मां ने आरोपी राहुल से तुम्हारी शादी कर देंगे, कहकर घटना के संबंध में किसी को भी बताने से मना कर दी। इसके बाद से आरोपी राहुल बार बार नाबालिक पीड़िता के घर आता था व नाबालिक पीड़िता का जबरन दुष्कर्म करता था, इस कार्य में नाबालिक पीड़िता की बड़ी मां का भी आरोपी राहुल को समर्थन प्राप्त था।

रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली जशपुर में बीएनएस की धारा 64(2)(M),65(1) व 4,6,17 पॉस्को एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही कर नाबालिक से दुष्कर्म के आरोपी राहुल उर्फगौतम सिंह (27) व उसका समर्थन करने वाली पीड़िता की बड़ी मां को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार करने व उनके विरुद्ध प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने से दोनों न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। मामले की विवेचना एवं आरोपियों की गिरफ्तारी में निरीक्षक आशा तिर्की, सहायक उप निरीक्षक स्नेहलता सिंह, सहायक उप निरीक्षक विपिन किशोर केरकेट्टा, प्रधान आरक्षक रीना यादव, आरक्षक परदेसी राम, महिला प्रधान आरक्षक मुन्नी देवी, अरुणा की सराहनीय भूमिका रही है।

करोड़ों रूपये गबन करने वाला फरार आरोपी फरीदाबाद हरियाणा से गिरफ्तार

रायपुर। दिनाँक 18.09.2024 को प्रार्थी संतोष कुमार राय (फैक्ट्री मैनेजर अपोलो रिंगमी सिमगा + अपोलो बेंदरी उरला) द्वारा लिखित शिकायत आवेदन मे थाना उपस्थित हो कर रिपोर्ट दर्ज करवाया कि उनके फैक्ट्री द्वारा रॉ मटेरियल कॉइल जो टाटा स्टील एवं अन्य फर्मो से रेल के माध्यम से सिलयारी स्थित मलौद साइडिंग मे आने के बाद कंपनी द्वारा अनुबंधित ट्रांसपोर्टर रोड स्टार फ्लिट्स के द्वारा ट्रेलर के माध्यम से परिवन कर अपोलो फैक्ट्री पहुँचाने का अनुबंध किया था. परन्तु ट्रांसपोर्टरों द्वारा मार्च 2023 से जुलाई 2024 के बिच कुल 76 क्राईल जुमला कीमती 10 करोड़ को नहीं पंहुचा कर अमानत मे खयानत किया है कि रिपोर्ट पर धारा सदर मे अपराध क्रमाक 511/24 धारा 316(3),3(5) बी.एन.एस. कायम कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना के प्रार्थी द्वारा दिनाँक 03.04.2025 को चौकी उपस्थित आकर उरला बेन्द्री स्थित एपीएल अपोलो फैक्ट्री की 06 क्राईले कीमती लगभग 1 करोड़ भी उक्त आरोपीयो द्वारा उसी घटना स्थल से उसी तरीके से अमानत मे खयानत करने पर शिकायत पेश कर बयान दर्ज कराया जिसको विधिवत अपराध सदर मे संलंग्न किया गया है। दौरान विवेचना के प्रकरण के अभियुक्त के पता तलास उनके कार्यालय रायपुर मे किया गया जो कार्यालय मे उपस्थित नही मिले! प्रकरण के अभियुक्तो के पता तलाश हेतु मुल पतों मे तलाशी हेतु पुलिस टीम रवाना किया गया।

छत्तीसगढ़ में गोवंश से भरे ट्रक को पुलिस ने पकड़ा, तस्कर गिरफ्तार, पत्थलगांव के रास्ते झारखंड जाने की थी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने गायों से भरी ट्रक को पकड़ने में सफलता पाई है। तस्कर ट्रक के साथ गायों को झारखंड की ओर ले जा रहा था। पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली तो उसमें 40 जीवित गोवंश व 7 मृत गोवंश बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर सभी जीवित गोवंश को सुरक्षित रखवाया। वहीं आरोपी के खिलाफछ.ग. कृषक पशु परि. अधि. की धारा 4, 6, 10 के तहत कार्रवाई की गई है। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है।

दरअसल एसपी शशि मोहन को बीती रात मुखबिर से सूचना मिली कि पत्थलगांव की ओर से कांसाबेल, कुनकुरी होते हुये झारखंड की ओर एक ट्रक सीजी 14 एमडी 1376 में मवेशियों की क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना पर थाना कांसाबेल, चौकी दोकड़ा एवं थाना कुनकुरी से पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही हेतु रवाना किया गया। टीम को उक्त ट्रक के कांसाबेल से क्रास होने की जानकारी मिलने पर कुनकुरी में निरीक्षक राकेश यादव के नेतृत्व में तगड़ा बेरिकेड लगाकर नाकाबंदी की गई। पुलिस के भारी दबाव में आकर उक्त ट्रक का चालक कुनकुरी के नेशनल हाईवे में वाहन को खड़ी कर भाग रहा था, जिसे पुलिस टीम द्वारा दौड़ाकर पकड़ा। ट्रक को जब्त कर थाने लाया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मो. सरफ्राज शाह बताया। आरोपी ने बताया कि एक दिन पहले शुक्रवार की सुबह अपने अन्य साथियों के साथ मवेशी लेने बिलासपुर गया था। ट्रक को उसका साथी चला रहा था। बिलासपुर से लगभग 15 किलोमीटर पहले एक गांव में रोड किनारे ट्रक को खड़ी किया। उसका साथी पहले से गौ-वंश को बंधवाकर रखा था, फिर ये सभी मिलकर गौ-वंश को रात्रि लगभग 10 बजे वाहन में लोड कर पत्थलगांव, कांसाबेल होते झारखंड की ओर जाने वाले थे। इस बीच पुलिस के पीछा करने पर एवं बेरिकेटिंग से कुनकुरी में वाहन चालक ने ट्रक को रोड किनारे खड़ी कर भागने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा उक्त ट्रक वाहन से 40 नग जीवित एवं 07 नग मृत गौवंश बरामद किया है। घटना में प्रयुक्त मोबाइल को जब्त किया गया।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन शंखनाद के तहत् बीती रात्रि बड़ी कार्रवाई कर ट्रक से 40 जीवित एवं 7 मृत गौवंश बरामद किया है। इस मामले में साईंटांगरटोली निवासी मो सरफ्राज को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण के अन्य आरोपी फरार हैं, उनके ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। एसपी सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस द्वारा अब तक लगभग 800 गौ-वंश को तस्करी होने से बचाया गया है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक राकेश यादव, उप निरीक्षक सुनील सिंह, उप निरीक्षक अशोक यादव, एएसआई राजेश यादव, प्रधान आरक्षक ढलेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक छविकांत पैंकरा, आरक्षक गणेष यादव, नंदलाल यादव, नगर सैनिक श्रीवास्तव का योगदान रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
यात्री टिकट सुविधा केंद्र

अधिसूचना क्र.: 2025/C/Chg./YTSK/II/R
दिनांक: 08.04.2025

भारत के राष्ट्रपति के ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर द्वारा रायपुर मण्डल के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों / स्थानों पर आरक्षित सह अनारक्षित टिकटो को जारी करने हेतु निजी भागीदारी द्वारा **यात्री टिकट सुविधा केन्द्र** के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

1. कार्य का नाम: यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) का आवंटन: रायपुर मण्डल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत विभिन्न स्टेशनों/स्थानों पर आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों को जारी करने के लिए यात्री टिकट सुविधा केन्द्र (वाईटीएसके) की नियुक्ति । **2. आवेदन पत्र निविदा बाक्स में डालने की तिथि एवं समय:** दिनांक **16.05.2025** को **15:00** बजे तक। **3. आवेदन खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक **16.05.2025** को **15:30** बजे । **4. आवेदन पत्र का मूल्य:** ₹ 1180/- (रु एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) प्रति निविदा प्रपत्र। **5. ठेके की अवधि:** 03 (तीन) वर्ष हेतू।

आवेदक व. मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, DRM ऑफिस कॉम्प्लेक्स, वाल्टेयर रेलवे क्रासिंग गेट के पास, RVH रेलवे कालोनी, द.पू.म. रेलवे रायपुर (छ.ग.) के कार्यालय में इस उद्देश्य के लिए रखे गए आवेदन बॉक्स में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द.पू.म. रेलवे, रायपुर को संबो-धित अपने मुहरबंद लिफाफे डाल सकते हैं।

अधिक जानकारी, योग्यता मानदंड विभिन्न, स्टेशनों/स्थानों व कार्य का पूर्ण विवरण कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एस.ई.सी. रेलवे रायपुर के कार्यालय में संपर्क कर सकते है एवं वेबसाइट **www.secr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध पूर्ण विवरण हासिल कर सकते है। आवेदन पत्र / दस्तावेज वेबसाईट से डाउनलोड किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्यिक),
PR/R/Sr.DCM/FL/09 द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर
South East Central Railway @secrail

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

रायपुर एयरपोर्ट पर जल्द शुरू होगी इंटरनेशनल कार्गो की सुविधा, किसानों को मिलेगा फायदा-मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर के सेक्टर-24 में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के नवनियुक्त अध्यक्षों के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर एवं छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी को नए दायित्व के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड तथा छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद की किसानों एवं कृषि के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। खेत तभी लहलहाते हैं जब बीज अच्छा होता है। ऐसे में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड की जिम्मेदारी है कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता के बीज समय पर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि आज पदभार ग्रहण कर रहे दोनों अध्यक्ष स्वयं किसान हैं। वे किसानों की कठिनाइयों को अच्छे से समझते हैं। निश्चित रूप से दोनों अध्यक्ष अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करेंगे।

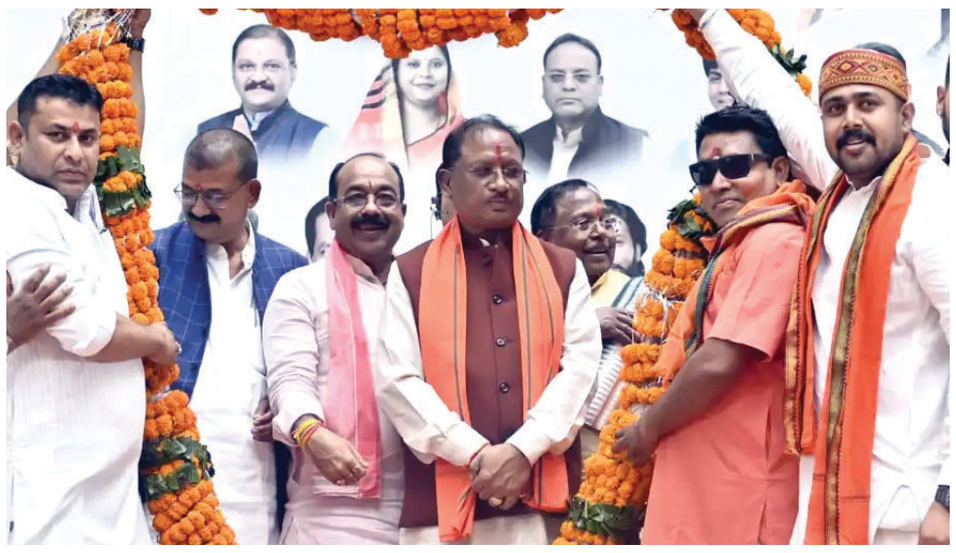

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के दु:ख-दर्द को समझती है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में कृषि और किसानों की उन्नति के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों की समस्या के समाधान के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना का प्रारंभ किया। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा प्रारंभ की गई।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद एवं छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम का किसानों के बेहतर नवाचार एवं नवीन योजनाएं बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। हमारी सरकार ने ऐसे जमीनी स्तर से दो बेहद अनुभवी, कुशल संगठक, किसान पुत्र को इसकी जिम्मेदारी दी है। निश्चित ही इसका लाभ प्रदेश के किसान भाइयों को मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि भगवान हनुमान की जयंती है। हनुमान जी शक्ति, सामर्थ्य, सेवा एवं समर्पण के प्रतीक हैं। इन्हीं के आशीर्वाद से हमारी सरकार किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छत्तीसगढ़ कृषक कल्याण परिषद एवं छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम का महत्वपूर्ण योगदान कृषि क्षेत्र में है। किसानों को उचित समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण बीज उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। इसके साथ ही कृषि में उन्नत तकनीकों को बढ़ावा देने की भी जिम्मेदारी होती है। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है, चाहे 31 सौ प्रति क्विंटल में धान खरीदी हो या वनोपज की खरीदी में। इसका ही परिणाम है कि प्रदेश में धान उत्पादन से लेकर अन्य फसल, साग-सब्जियों में कृषि रकबा बढ़ा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर एवं छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी को नवीन जिम्मेदारी के लिए बधाई दी गई।

इस अवसर पर सांसद रायपुर बृजमोहन अग्रवाल, राजनांदगांव संतोष पांडेय, महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, बसना संपत अग्रवाल सहित विभिन्न मंडल आयोग के अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अधिकारी-कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

रायपुर एयरपोर्ट पर जल्द शुरू होगी इंटरनेशनल कार्गो की सुविधा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल कार्गो की सुविधा जल्द शुरू होगी। इससे किसानों की उपजों को अंतरराष्ट्रीय मार्केट मिलेगा और उन्हें फायदा होगा। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश के अन्नदाता किसान भाई-बहनों से मिलेट्स, मक्का और ऐसी फसलों के उत्पादन का आग्रह किया, जिनमें पानी की खपत कम होती है। उन्होंने कहा कि हमें ऑर्गेनिक खेती की ओर बढ़ने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर सुजला योजना पुनः प्रारंभ की जाएगी, जिसमें किसानों को अनुदान पर सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने आय बढ़ाने के लिए किसानों से खेती के साथ-साथ उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन को अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने किसानों और ग्रामीणों से कहा कि आवास प्लस-प्लस योजना का सर्वे हो रहा है, इस सर्वे में हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि आवास योजना की पात्रता में वृद्धि की गई है। अब जिनके पास 5 एकड़ असिंचित भूमि, ढाई एकड़ सिंचित भूमि है, मोटरसाइकिल है, साथ ही 15 हजार मासिक आय वाले भी प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के पांच वर्षों में गरीबों को 18 लाख प्रधानमंत्री आवास से वंचित होना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने शपथ लेने के दूसरे दिन हमने कैबिनेट की बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी। पिछले 14 माह की अवधि में हमें केंद्र से 14 लाख आवास की राशि मिल गई है। केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही साढ़े तीन लाख आवास की राशि और देने जा रहे हैं।

श्रमिक कल्याण और ऊर्जा के क्षेत्र में विकास को लेकर राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी में आयोजित अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के 18वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिवेशन में 21 राज्यों से आए श्रमवीरों का प्रभु श्रीराम के ननिहाल में स्वागत किया और उन्हें हनुमान जयंती की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि देशभर से आए श्रमवीरों ने यहाँ आकर एकता और सामंजस्य का बड़ा संदेश देने का कार्य किया है। श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने 14 वर्षों के वनवास में से 10 वर्ष यहाँ बिताए, जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहली सरकार का गठन हुआ था, तब उन्होंने श्रम राज्य मंत्री के रूप में श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के लिए न्यूनतम पेंशन निर्धारित की गई और पीएफ की अनक्लेम राशि का उपयोग श्रमिकों के हित में किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में बिजली की महत्ता को सभी भली-भाँति समझते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बिजली सरप्लस है, लेकिन आने वाले समय में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश में 1350 और 850 मेगावाट की दो विद्युत परियोजनाओं की सौगात दी थी।

श्री साय ने आगे बताया कि ऊर्जा के क्षेत्र में 3 लाख 50 हज़ार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से प्रदेश में हर घर तक बिजली पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से हम हाफबिजली से मुफ्त बिजली देने की ओर बढ़ रहे हैं और योजना के लिए राज्य सरकार ने सब्सिडी देने का बजट में प्रावधान भी किया है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर श्रमिकों के कल्याण के लिए आजीवन समर्पित रहे श्री दत्तोपंत ठेंगड़ी का पुण्य स्मरण करते हुए उनके योगदानों को नमन किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्युत मजदूर महासंघ के मंत्री और प्रभारी श्री राधेश्याम जायसवाल, श्री मधुसूदन जोशी, श्रीमती शोभा सिंहदेव सहित देशभर के 21 राज्यों से आए विद्युत श्रमिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हनुमान जयंती पर की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज हनुमान जयंती के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने भक्ति भाव से हनुमान चालीसा का पाठ किया तथा प्रदेशवासियों की सुख-शांति और समृद्धि के लिए मंगलकामनाएँ कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान हनुमान शक्ति और भक्ति के प्रतीक हैं। उनकी कृपा से हर संकट का समाधान संभव है।उन्होंने प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज़ कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

प्रत्येक जरूरतमंद को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए सरकार कर रही है भगीरथ प्रयास : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 670 करोड़ रुपये की लागत की परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में हुए शामिलमुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में हुए शामिलमुख्यमंत्रीविष्णु देव साय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में हुए शामिलमुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव के पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने श्री सिंहदेव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की लगभग 670 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही 8 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में सभी को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सबकी इच्छा होती है कि हमारे सिर पर छत हो। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि सभी का पक्का मकान हो, इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरुआत की। इस योजना के साथ ही छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए आवास बनाए जा रहे हैं। सभी को आवास उपलब्ध कराने के लिए भगीरथ प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। शपथ लेने के दूसरे दिन हमने कैबिनेट की बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी। पिछले 14 माह के हमारे कार्यकाल में हाउसिंग बोर्ड की स्थिति सुधरी, बोर्ड अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। इस अवधि में हमें केंद्र से 14 लाख आवास भी मिले हैं। केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ को शीघ्र ही साढ़े तीन लाख आवास और देने जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री अनुराग को लंबे समय से विपरीत परिस्थितियों में कार्य के लिए जाना जाता है। निश्चित ही उनके अनुभवों का लाभ छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड को मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर नव नियुक्त श्री अनुराग सिंहदेव को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान एवं मजदूरों के लिए नित नई योजनाएं बनाकर उनकी बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से भी आम जनता को सहज एवं किफायती दरों में मकान का सपना पूरा हो, इस उद्देश्य से बेहतर कार्य करने के लिए नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव को बधाई दी।

कैबिनेट मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही किफायती मूल्यों में गरीब जनता के लिए आवास तैयार करने का लक्ष्य रखा गया। हमने पूरे प्रदेश में अधूरी पड़ी लगभग 40 योजनाओं के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है। पुरानी संपत्तियों की बिक्री के लिए हमने 'वन टाइम सेटलमेंट' के नाम से हितग्राहियों को छूट देने का भी कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने 670 करोड़ की लागत की जिन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया उनमें 43.03 करोड़ रूपये की 2 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 626 करोड़ 81 लाख की 8 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। उन्होंने अटल विहार योजनांतर्गत मुरमुन्दा जिला दुर्ग में 226 भवनों का निर्माण एवं 10.00 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 2457.98 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत कोतापाल जिला बीजापुर में 183 भवनों का निर्माण एवं 5.73 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 1845.32 लाख रूपये का लोकार्पण किया।

इसी तरह अटल विहार योजनांतर्गत पथर्रा राजिम जिला गरियाबंद में 363 भवनों एवं 8.307 हेक्टेयर भूमि का विकास कार्य लागत 6168.53 लाख रूपये,अटल विहार योजना भूरकोनी जिला रायपुर में 345 भवनों का निर्माण एवं 14.00 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 6103.59 लाख रूपये, सामान्य आवास योजनांतर्गत सेक्टर-12, नया रायपुर जिला रायपुर में 1052 भवनों एवं व्यवसायिक परिसर का निर्माण एवं 28.04 हेक्टेयर भूमि विकास कार्य लागत 31054.56 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत पुलगांव जिला दुर्ग में 18 सीनियर एच.आई.जी. डुप्लेक्स, 31 एच.आई.जी. डूप्लेक्स, 69 एम.आई.जी. डूप्लेक्स, 64 एल. आई. जी. 95 ई.डब्ल्यू.एस. कुल 277 स्वतंत्र भवनों का निर्माण एवं यूटिलिटी शॉप एवं 17.94 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 10311.80 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत खरतुली जिला धमतरी में 182 भवनों का निर्माण एवं 9.39 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 2699.70 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत कोकड़ापारा जिला बीजापुर में 183 भवनों का निर्माण एवं 7.89 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 2978.33 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत बंधी जिला गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही में 135 भवनों का निर्माण एवं 6.50 एकड़ भूमि का विकास कार्य लागत 2101.65 लाख रूपये, अटल विहार योजनांतर्गत कुलीपोटा जिला जांजगीर- चांपा में 61 भवनों का निर्माण एवं विकास कार्य लागत 1260 लाख रूपये की लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950